RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 226 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 16-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

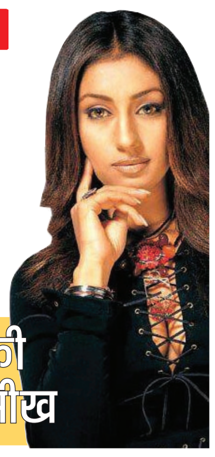

5 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की होगी हार : अखिलेश यादव

6 भारत की आर्थिक उड़ान और उसकी चुनौतियां

7 महक चहल ने शतरंज की बाजी की तरह जिंदगी में भी जीतने की दी सीख

फर्स्ट टेक

ताइवान ने द्वीप के पास बड़े पैमाने पर चीनी सैन्य विमानों की मौजूदगी की सूचना दी

हांगकांग/एपी। ताइवान ने द्वीप के निकट बड़े पैमाने पर चीनी सैन्य विमानों की मौजूदगी देखी है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। ताइवान के मुताबिक पिछले दो हफ्तों में क्षेत्र में चीनी सैन्य विमानों की गतिविधि में आई भारी गिरावट के बाद यह वृद्धि देखी गई है। इसने कहा कि शनिवार को मंत्रालय ने द्वीप के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों का पता लगाया, जिनमें से 16 विमान उसके मध्य और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश कर गए। विमानों की संख्या में यह वृद्धि से विश्लेषक यह समझने में असमंजस में पड़ गए कि चीन की सेना आखिर क्या कर रही है।

सुरक्षा परिषद की व्यवस्था में समस्या स्वीकार किए जाने की जरूरत: गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा है कि यह स्वीकार करना आवश्यक है कि ''सुरक्षा परिषद की व्यवस्था में समस्या है'' और यह वर्तमान दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करती तथा स्थायी सदस्यों द्वारा वीटो का इस्तेमाल किए जाने के कारण संघर्षों को रोकने में असमर्थ है। गुतारेस ने शनिवार को बेरूत में संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, ''मुझे लगता है कि हमें यह स्वीकार करना होगा कि सुरक्षा परिषद के साथ एक समस्या है। आज सुरक्षा परिषद मौजूदा विश्व का प्रतिनिधित्व नहीं करती। यह दरअसल 1945 के बाद के विश्व का प्रतिनिधित्व करती है।'' उन्होंने कहा कि 15 देशों की परिषद में तीन स्थायी सदस्य यूरोप से, एक एशिया से और एक अमेरिका से हैं, जबकि अफ्रीका या लैटिन अमेरिका से कोई स्थायी सदस्य नहीं है।

'कभी कल्पना नहीं की थी कि ओली चुनाव हार जाएंगे'

काठमांडू/भाषा। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने रविवार को कहा कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि चार बार प्रधानमंत्री रहे के.पी. शर्मा ओली आम चुनाव में हार जाएंगे। सरकारी समाचार एजेंसी राष्ट्रीय समाचार समिति को दिए साक्षात्कार में कार्की ने कहा कि चुनाव परिणाम युवा मतदाताओं के प्रभाव और बदलाव की मांग को दर्शाते हैं। काठमांडू के पूर्व महापौर बालेंद्र शाह उर्फ बालेन (35) की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा के चुनाव में 182 सीट पर जीत हासिल की है। पार्टी ने बालेन को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था। 'जेन जेड' आंदोलन के चलते ओली के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार गिरने के बाद कार्की देश की अंतरिम प्रधानमंत्री बनी थीं।

बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव तारीखों की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी। सभी राज्यों में मतगणना चार मई को होगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए दो चरण में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में विधानसभा की 294 सीट हैं। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा।

कुमार ने बताया कि केरल, असम और पुडुचेरी के लिए नौ अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। उन्होंने बताया कि चारों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभा चुनाव के लिए 824 सीटों पर मतगणना चार मई को होगी। कुमार ने कहा कि चुनाव हिंसा या प्रलोभन से मुक्त होने चाहिए और आयोग किसी भी उल्लंघन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा।

■ सभी राज्यों में मतगणना चार मई को होगी।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

कुमार के साथ दो निर्वाचन आयुक्त – सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी मौजूद थे।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, ''शुद्ध मतदाता सूची हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है; किसी भी पात्र मतदाता को हटाया नहीं जाना चाहिए और किसी भी अपात्र मतदाता को शामिल नहीं किया जाना चाहिए।'' उन्होंने बताया कि पांच राज्य विधानसभाओं के 824 निर्वाचन क्षेत्रों के चुनावों में कुल 17.4 करोड़ पात्र मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 2.19 लाख मतदान केंद्रों पर मतदान होगा, जहां 25 लाख चुनाव अधिकारी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। उन्होंने कहा कि चारों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के कुल मतदाताओं की संख्या ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी और कनाडा की जनसंख्या के बराबर है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि 20 देशों के चुनाव निकायों के प्रतिनिधि भारत के ''लोकतंत्र के उत्सव'' का अनुभव प्राप्त करने के लिए चुनाव वाले राज्यों का दौरा करेंगे।

पश्चिम एशिया संघर्ष के नाजुक माहौल में भी

'नादानी' से बाज नहीं आ रहे राहुल गांधी : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नेपानगर/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि वह पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के नाजुक माहौल में भी नादानी का परिचय देते हुए रसोई गैस को लेकर अनर्गल राजनीति कर रहे हैं।

यादव, बुरहानपुर जिले के नेपानगर में जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा,''पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध में तेल के ठिकाने तबाह हो रहे हैं। युद्ध पूरे एशिया के मुहाने पर खड़ा है, लेकिन कांग्रेस ऐसे मुश्किल वक्त में भी रसोई गैस के मुद्दे पर अनर्गल राजनीति कर रही है।''

यादव ने कहा कि घरेलू और वाणिज्यिक उपयोग की रसोई गैस की भारत में कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा,''इस मामले में केवल कांग्रेस को कष्ट है जिसके नेता (रसोई गैस के मुद्दे पर) आंदोलन का नाटक कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबको पता है कि भारत को तेल और गैस के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के नाजुक माहौल में भी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी नादानी से बाज नहीं आ रहे हैं और अनर्गल राजनीति कर रहे हैं। यादव ने कहा कि अगर गांधी इसी तरह राजनीति करते रहे, तो कांग्रेस अगले 50 साल तक सत्ता से दूर रहेगी क्योंकि जनता सब जानती है।

भारत का कच्चे तेल का टैंकर यूएई के फुजैराह से सुरक्षित निकला

नई दिल्ली/भाषा। तेल टर्मिनल पर हमले के बावजूद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैराह से तेल भरने के बाद भारतीय ध्वज वाला कच्चे तेल का एक टैंकर सुरक्षित निकल गया है। सरकार ने रविवार एक अद्यतन सूचना में कहा कि वह पश्चिम एशिया में स्थिति पर करीब से नज़र रख रही है और स्थिर ईंधन आपूर्ति और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। 'जग लाडकी' नाम का यह जहाज, जिसमें लगभग 80,800 टन मुरबन कच्चा तेल है, फुजैराह से भारतीय समय के अनुसार 10.30 बजे निकला और इस पर सवार सभी सदस्य सुरक्षित हैं, और अब यह भारत के लिए रवाना हो गया है। 'जग लाडकी' चौथा भारतीय ध्वजवाहक जहाज है जो युद्ध क्षेत्र से बिना किसी नुकसान के बाहर निकला है। तैयारी के उपायों पर एक अद्यतन सूचना में सरकार ने कहा कि इसके अलावा, सुरक्षित रास्ता भारतीय कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। होर्मुज जलडमरूमध्य में पोत परिवहन की दिक्कतों ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर असर डाला है। इसमें कहा गया, ''14 मार्च, 2026 को, जब भारतीय ध्वज वाला जहाज जग लाडकी फुजैराह सिंगल पॉइंट मूरिंग पर कच्चा तेल भर रहा था, तो तेल टर्मिनल पर हमला हुआ। जहाज़ आज (रविवार) 10.30 बजे फुजैराह से लगभग 80,800 टन मुरबन कच्चा तेल लेकर सुरक्षित रूप से भारत के लिए रवाना हुआ।''

अमृतसर में पाकिस्तान के तस्करों से जुड़े छह व्यक्ति गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने कथित तौर पर पाकिस्तान के तस्करों से जुड़े और सीमा पार से हथियारों एवं मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि अमृतसर पुलिस ने आरोपियों के पास से छह अत्याधुनिक पिस्तौल, 60 कारतूस और 3.51 किलोग्राम हेरोइन भी बरामद की है। पुलिस महानिदेशक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपियों के पाकिस्तान के तस्करों से संबंध थे और वे भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हथियारों एवं नशीले पदार्थों की आपूर्ति में मदद कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आरोपी सीमा पार के एक तस्कर के अधीन काम कर रहे थे जो बड़े संगठित तस्करी नेटवर्क का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है ताकि इस नेटवर्क के संबंध में अधिक जानकारी जुटाई जा सके और इसे ध्वस्त किया जा सके।

न्यायिक प्रणाली को अस्पतालों की तरह ही सेवा भाव से काम करना चाहिए : सीजेआई सूर्यकांत

मंडी (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि न्यायिक परिसरों को अस्पतालों की तरह ही सेवाभाव की भावना से काम करना चाहिए, क्योंकि लोग न्याय और राहत की उम्मीद लेकर अदालतों में आते हैं।

मंडी के न्यायिक अदालत परिसर की आधारशिला रखने के बाद एक विधि साक्षरता शिविर को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सुविधाओं में वृद्धि के साथ न्यायिक प्रणाली की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि चर्चा अक्सर मौलिक अधिकारों पर केंद्रित रहती है, लेकिन मौलिक कर्तव्य भी संविधान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनका पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने मौलिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर पर इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया।

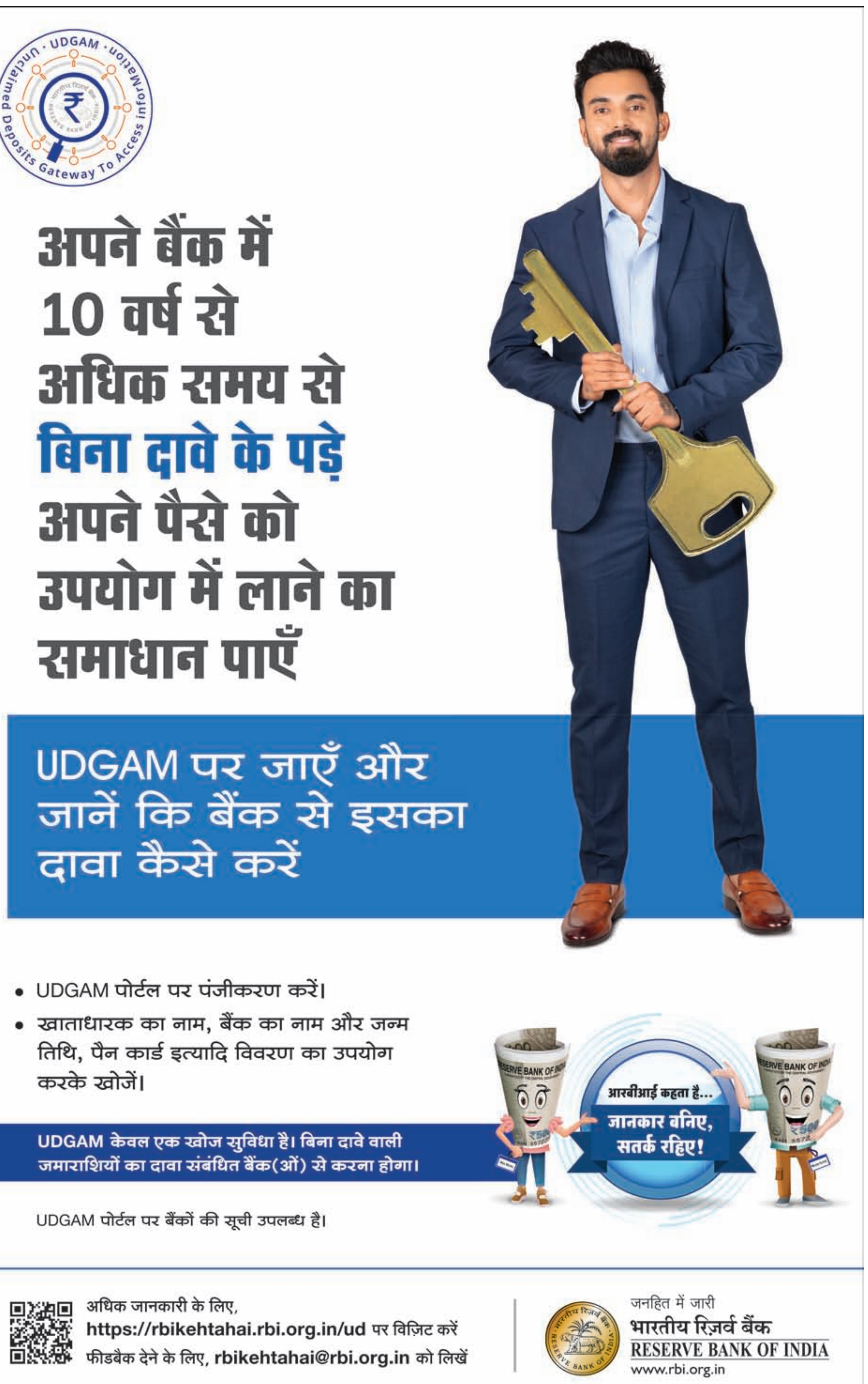

16-03-2026 सूर्यास्त	17-03-2026 सूर्योदय
6:30 बजे	6:26 बजे

BSE	NSE
74,563.92	23,151.10
(-1,470.50)	(-488.05)

सोना	चांदी
16,439 रु.	266,435 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घायल लोकतंत्र

कानून चीज है बहुत बड़ी,
सारे ही इसके हैं कायल।
हो जाएं नेता सावधान,
खुल चुकी सभी की ही फायल।
स्वागत को आतुर हैं जेलें,
जायेंगे अब रॉकी-रॉयल।
कृत्यों से शर्मिंदा जन-मन,
हो रहा तंत्र सारा घायल।।

ईरान की धमकी के बीच खाड़ी देशों में मिसाइल एवं ड्रोन हमले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काहिरा/एपी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के दौरान ईरान द्वारा अपने हमलों का दायरा और व्यापक करने की धमकी दिए जाने के बीच अरब खाड़ी देशों ने रविवार को उन पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की सूचना दी।

इजराइल और अमेरिका ने 28 फरवरी को यह कहते हुए ईरान पर हमला किया था कि वे ईरान के परमाणु व सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं और ईरान के लोगों से भी अपने नेताओं के खिलाफ खड़े होने का आह्वान किया था। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और फारस की खाड़ी के आसपास के पड़ोसी देशों पर हमले किए।

इस संघर्ष के कारण वैश्विक विमानन सेवाएं अस्त-व्यस्त हो गई हैं, तेल निर्यात बाधित हुआ है और दुनियाभर में ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें आशा है कि तेल व गैस के निर्यात पर निर्भर देश हॉर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा के लिए अपने युद्धपोत भेजेंगे। हालांकि रविवार तक किसी भी देश ने इसके लिए प्रतिबद्धता नहीं जताई, लेकिन कुछ देशों ने कहा कि वे इस पर विचार कर रहे हैं।

नेतन्याहू ने मौत की अटकलों का दिया जवाब, सड़क किनारे कॉफी पीते वीडियो जारी किया

यरुशलम/भाषा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी मौत की अफवाहों पर चुटकी लेते हुए रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया जिसमें वह सड़क किनारे बाजार में कॉफी का ऑर्डर देते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर पिछले एक सप्ताह से नेतन्याहू की सार्वजनिक रूप से अनुपस्थिति को लेकर अटकलें तेज थीं, खासकर तब जब एक वीडियो सामने आया जिसमें नेतन्याहू के हाथ में छह उंगलियां दिखीं। इस वीडियो ने अमेरिका-इजराइल के 28 फरवरी के संयुक्त हमले और ईरान की तीव्र प्रतिक्रिया के बीच खाड़ी क्षेत्र में फैले युद्ध की पृष्ठभूमि में नयी बहस और अफवाहों को हवा दे दी।

अब एलपीजी सिलेंडर नहीं रख सकेंगे पीएनजी कनेक्शन वाले उपभोक्ता, सरकार ने लगाई रोक

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने पाइप वाली रसोई गैस (पीएनजी) का कनेक्शन रखने वाले वाले परिवारों के लिए सब्सिडी वाला एलपीजी कनेक्शन रखने या लेने पर रोक लगा दी है। इस बीच, वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति में संकट के चलते क्षेत्र के नियामक ने शहर गैस वितरण कंपनियों से अपने पीएनजी ढांचे का विस्तार तेजी से करने को कहा है, जिससे रसोई गैस की आपूर्ति पर दबाव कम किया जा सके। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 14 मार्च को जारी अधिसूचना में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं वितरण नियमन) आदेश-2000 में बदलाव किया है। इसके तहत अब पीएनजी कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं के लिए घरेलू एलपीजी कनेक्शन को 'सरेंडर' करना जरूरी हो गया है। संशोधित आदेश में कहा गया कि सरकारी पेट्रोलियम कंपनियां और वितरक उन उपभोक्ताओं को भरा गैस सिलेंडर नहीं देंगे, जिनके पास पहले से एलपीजी कनेक्शन हैं। आदेश में कहा, ''कोई भी व्यक्ति जिसके पास पीएनजी कनेक्शन है और जिसके पास घरेलू एलपीजी कनेक्शन भी है, वह घरेलू एलपीजी कनेक्शन नहीं रखेगा, या किसी भी सरकारी पेट्रोलियम कंपनी से या उनके वितरक के जरिये भरा हुआ एलपीजी सिलेंडर नहीं लेगा। ऐसे लोगों को घरेलू एलपीजी कनेक्शन 'सरेंडर' करना होगा।''

'एलपीजी बुकिंग घटकर 77 लाख हुई, ईंधन की कोई कमी नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सरकार ने बताया कि देश में घरेलू एलपीजी रिफिल बुकिंग में गिरावट आई है और यह अब लगभग 77 लाख पर पहुंच गई है, जबकि 13 मार्च को यह 88.8 लाख थी।

सरकार ने कहा है कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह से सुरक्षित है और किसी तरह की कमी नहीं है।

सरकार ने पश्चिम एशिया की स्थिति के प्रभाव पर जारी दैनिक अपडेट में बताया कि ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग का हिस्सा बढ़कर लगभग 87 प्रतिशत हो गया है, जो पहले 84 प्रतिशत था। इसका श्रेय तेल विपणन कंपनियों द्वारा डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने और लोगों को एलपीजी डीलरशिप पर लंबी कतारों में खड़ा होकर ज़रूरत से ज़्यादा खरीदारी करने से रोकने वाले अभियान को दिया गया है।

सरकार ने बताया कि देश की सभी घरेलू रिफाइनरी पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं और पर्याप्त कच्चे तेल का भंडारण बनाए हुए हैं।

सरकार ने कहा कि देश पेट्रोल और डीजल के उत्पादन में आत्मनिर्भर है और घरेलू मांग पूरी करने के लिए इन ईंधनों का कोई आयात आवश्यक नहीं है।

तेल विपणन कंपनियों ने ईंधन खुदरा बिक्री केंद्रों या एलपीजी वितरकों के पास भंडारण खत्म होने की कोई जानकारी नहीं दी है, और पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की आपूर्ति नियमित रूप से बनाए रखी जा रही है। सरकार ने बताया कि एलपीजी बुकिंग में गिरावट आई है। शनिवार को लगभग 77 लाख बुकिंग दर्ज की गई, जबकि 13 मार्च, 2026 को यह संख्या 88.8 लाख थी। साथ ही ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर बुकिंग का हिस्सा बढ़कर 84 प्रतिशत से लगभग 87 प्रतिशत हो गया है।

सरकार ने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं के हितों को प्राथमिकता देना और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना जारी रहेगा, विशेषकर घरों और प्राथमिक क्षेत्रों जैसे अस्पताल और शैक्षणिक संस्थानों के लिए।

केंद्र सरकार ने कहा कि बिहार, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान सहित कई राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों ने गैर-घरेलू एलपीजी के आवंटन के लिए निर्देश जारी किए हैं। राज्य सरकारें पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की जमाखोरी और काला बाजारी रोकने के लिए कड़ाई से निगरानी और कार्रवाई कर रही हैं।

भाकपा ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए 25 उम्मीदवारों की घोषणा की

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा)ने नौ अप्रैल को होने वाले 140 सदस्यीय केरल विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को 25 उम्मीदवारों की घोषणा की। निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के कुछ ही मिनट बाद भाकपा के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। भाकपा सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की एक प्रमुख सहयोगी पार्टी है। भाकपा द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव के लिए घोषित उम्मीदवारों की सूची में चार मौजूदा मंत्रियों जी आर अनिल, जे चिंचूरानी, के राजन और पी प्रसाद के नाम शामिल हैं। वाम दल ने के. राजन, मोहम्मद मुहसिन, ई टी टायसन और वी आर सुनील कुमार सहित लगातार दो कार्यकाल पूरे कर चुके विधायकों पर फिर से दांव लगाया है। पार्टी ने नट्टिका से पूर्व विधायक गीता गोपी को उतारा है। वह मौजूदा विधायक सी सी मुकुंदन के स्थान पर चुनाव लड़ेंगी। कैपामंगलम के विधायक ई टी टैसन को उत्तरी परवूर से मैदान में उतारा गया है, जहां उनका मुकाबला कांग्रेस नेता और मौजूदा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन से होगा।

कांग्रेस लोगों में भय का माहौल बना रही है, पर्याप्त मात्रा में एलपीजी उपलब्ध है : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में पर्याप्त मात्रा में एलपीजी उपलब्ध है और लोगों को गैस के लिए कतारों में लगने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया संकट के बीच कांग्रेस जानबूझकर लोगों में डर पैदा कर रही है।

फडणवीस ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के बढ़ते संघर्ष के कारण देश में रसोई गैस की कमी के दावों से संबंधित सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, राहुल गांधी और कांग्रेस जानबूझकर लोगों में भय का माहौल बना रहे हैं, जिसके कारण नागरिक एलपीजी सिलेंडरों के लिए लंबी कतारों में खड़े हो रहे हैं। हमारे पास गैस की पर्याप्त आपूर्ति है। कहीं भी कतार में लगने की कोई आवश्यकता नहीं है।

ईरान और ओमान के बीच स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

इस बीच, केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह घरेलू उपयोग और अस्पतालों जैसे आवश्यक क्षेत्रों के लिए एलपीजी को प्राथमिकता दे रही है जबकि रेस्तरां सहित गैर-आवश्यक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए इसकी आपूर्ति सीमित की गई है। सरकार ने जोर देकर कहा है कि देश में घरेलू एलपीजी की कोई किल्लत नहीं है।

एलपीजी की कमी को लेकर अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एलपीजी की संभावित कमी के बारे में अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए रविवार को कहा कि इस तरह की गलत सूचना लोगों में अनावश्यक दहशत पैदा कर रही है।

गुप्ता ने बुधपुर के अपना घर आश्रम में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों ही एलपीजी की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं और आम नागरिकों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ तत्व भ्रामक जानकारी फैलाकर भय पैदा करने और जमाखोरी को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं, जोकि राष्ट्रीय हित के विरुद्ध है।

बालिकाओं को वस्त्र भेंट कर कामधेनु गौशाला परिवार ने की मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित ज्ञानज्योति ट्रस्ट ब्लाइंड आश्रम में कामधेनु गौशाला परिवार द्वारा आश्रम की बालिकाओं को वस्त्र, अन्य आवश्यक सामग्री व राशन सामान भेंट किए गए। गौशाला परिवार ने अपनत्व और सहयोग की भावना व्यक्त करते हुए मानवता और परोपकार का संदेश दिया। कार्यक्रम में कामधेनु गौशाला की चेयरपर्सन शारदा चौधरी, अध्यक्ष राजवंती संचेती, उपाध्यक्ष प्रभा सालेचा, सहमंत्री अरुणा जैन, विशेष अतिथि कला शोभावत, अनिता दांतेवड़िया, तरुणा सहित गौशाला की सदस्याओं की उपस्थिति थी। महिलाओं ने बालिकाओं से आत्मीय संवाद किया और उन्हें जीवन में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। गौशाला की चेयरपर्सन शारदा चौधरी ने कहा जब हम जरूरतमंद महिलाओं और बालिकाओं के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, तभी महिला शक्ति का वास्तविक अर्थ सार्थक होता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपने सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में भाग लेना चाहिए, जिससे समृद्ध समाज का निर्माण हो सके। कार्यक्रम के लाभार्थी राजुल कांतिलाल चोपड़ा, मधु किरण दांतेवड़िया, संतोष किशोर पगारिया का सम्मान किया गया। ज्ञान ज्योति ट्रस्ट के प्रबंधक ने कामधेनु गौशाला की सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अरुणा जैन ने किया।

अमेरिका की 'जबरिया मजदूरी' की जांच में चीन पर होगी कड़ी नजर : जीटीआरआई

नई दिल्ली/भाषा। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) का मानना है कि अमेरिका द्वारा 60 अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ शुरू की गई जबरिया मजदूरी के व्यवहार की दूसरी 'व्यापार जांच' में चीन पर खास नजर रखी जाएगी। इन देशों में चीन के अलावा भारत भी शामिल है। जीटीआरआई ने कहा कि चीन के शिनजियांग क्षेत्र में कथित रूप से जबरिया मजदूरी कराए जाने के आरोप लगे हैं। ऐसे में जांच के केंद्र में चीन के रहने की संभावना है। जीटीआरआई ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में जबरन मजदूरी कराने की इस नई अमेरिकी जांच के तहत भारत से अमेरिका को सौर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कपड़ों के निर्यात पर भी कड़ी नजर रखी जा सकती है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने 12 मार्च को 60 देशों को इसके दायरे में लेते हुए धारा 301 की जांच शुरू की। यह इस महीने की दूसरी धारा 301 जांच है। जांच से यह पता चलेगा कि क्या इन सभी अर्थव्यवस्थाओं के काम, नीति और व्यवहार जबरिया मजदूरी से बने सामान के आयात पर प्रतिबंध लगाने और उसे असरदार तरीके से लागू करने में नाकाम रहे हैं।

शिमला में बारिश और ओलावृष्टि, मनाली के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा हिमपात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और उसके आसपास के इलाकों में रविवार को तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि हुई जबकि कुल्लू तथा लाहौल और स्पीति जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा हिमपात हुआ।

आसमान में घने बादल छाने की वजह से कुछ क्षेत्रों में दृश्यता काफी कम हो गई। अटल सुरंग सहित मनाली की ऊपरी पहाड़ियों पर हल्का हिमपात हुआ। सुरंग के पास बर्फ का आनंद लेते पर्यटकों के वीडियो इंटरनेट पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहे हैं। हिमपात से पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है, क्योंकि छुट्टियों के दौरान पहाड़ियों में हिमपात और मैदानी इलाकों में गर्मी के कारण क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति में व्यवधान की आशंका चिंता का विषय बनी हुई है।

शिमला मौसम विभाग ने रविवार के लिए शिमला, कुल्लू और मंडी जिलों में तेज हवाओं, आकाशीय बिजली और बूंदा-बांदी की संभावना के मद्देनजर 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। विभाग ने 21 मार्च तक राज्य में हल्की बारिश और हिमपात का भी अनुमान जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक कुल्लू और शिमला में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही है, गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है और आकशीय बिजली गिरने की आशंका है जिसकी वजह से 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है, साथ ही सोलन और सिरमौर जिलों के लिए बृहस्पतिवार 19 मार्च के लिए ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है। इसके अतिरिक्त, मौसम विभाग ने किन्नौर तथा लाहौल और स्पीति को छोड़कर बारह में से दस जिलों में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी, आकाशीय बिजली और तेज हवाओं की आशंका के मद्देनजर 'येलो अलर्ट' जारी किया है।

उत्तर-पश्चिमी भारत में 17 मार्च की रात से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है।

बाल सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के ईदु नीमा वाहिनी कला वेदिके द्वारा रविवार को राममूर्तिनगर स्थित नाट्य प्रिया सभागार में अप्पू उत्सव एवं किड्स कार्निवल का आयोजन किया गया, जिसमें नृत्य, विशेष वेशभूषा फैन्सी ड्रेस एवं अन्य स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में 300 से भी ज्यादा बाल प्रतिभाओं ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने बाल प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया। वेदिके के अध्यक्ष चंद्रिका बी.वी. एवं सचिव किशोर कुमार ने मुणोत को सम्मानित किया।

आंध्र प्रदेश के एलुरु में पुलिस ने बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया

एलुरु (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश में नवजात शिशुओं को बेचने का खुलासा होने के बाद पुलिस ने एलुरु जिले में बच्चों की तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध शिशु पंजीकरण रिकॉर्ड के सत्यापन के बाद कथित तस्करी नेटवर्क की जांच शुरू की गई। अनुमंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) डी. श्रवण कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, जांच के दौरान शिशुओं की अवैध बिक्री से जुड़े दो मामले सामने आने के बाद, हमने एलुरु जिले में नवजात शिशु तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया।

पुलिस के अनुसार, पहला मामला मुदिनेपल्ली मंडल के एक दंपति से संबंधित है, जिन्होंने कथित तौर पर कृत्रिम गर्भाधान (आईवीएफ) के कई प्रयास विफल होने के बाद एक दिसंबर, 2024 को करीब तीन लाख रुपए में एक नवजात बच्ची को खरीदा था। इस मामले में छह लोगों को आरोपी के तौर पर चिह्नित किया गया। जिनमें माता-पिता व अन्य लोग शामिल हैं। दंपति ने गर्भावस्था का नाटक किया और बिचौलियों के माध्यम से बच्ची खरीदकर उसे अपनी जैविक संतान बताने की कोशिश की, जिसके लिए फर्जी दस्तावेज भी तैयार किए गए। पूछताछ के दौरान नवजात बच्चे को बेचने का एक और मामला सामने आया, जिसमें 29 सितंबर, 2024 को एलुरु के एक निजी अस्पताल में कथित तौर पर एक नर्स की मिलीभगत से एक नवजात शिशु को करीब 30,000 रुपए में बेचा गया था।

नई श्रम संहिताओं से निश्चित अवधि वाले रोजगार में आएगी तेजी: रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। लगभग 75% कंपनियों को उम्मीद है कि नई श्रम संहिताओं के लागू होने के बाद निश्चित अवधि वाले रोजगार में वृद्धि होगी। रिपोर्ट में कहा कि यह बदलाव कार्यबल के औपचारिककरण की दिशा में एक बड़ा संकेत है।

मानव संसाधन समाधान प्रदाता जीनियस एचआरटेक की रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्यबल के औपचारिककरण की ओर झुकाव स्पष्ट रूप से बढ़ रहा है। लगभग 75 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि नई श्रम संहिताओं के बाद कंपनियां रणनीतिक रूप से निश्चित अवधि वाले रोजगार को अपनाएंगी। यह अधिक संगठित, अनुपालन वाले और दस्तावेजी रोजगार व्यवस्था की ओर एक निर्णायक कदम है। उल्लेखनीय है कि नवंबर, 2025 में सरकार ने 29 केंद्रीय श्रम कानूनों की जगह चार व्यापक संहिताओं – मजदूरी, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा – को लागू किया था। इसका मकसद अनुपालन को सरल बनाना, नियमों को आधुनिक बनाना और श्रमिकों के कल्याण को बढ़ाना है। जीनियस एचआरटेक की यह रिपोर्ट जनवरी, 2026 के दौरान पूरे भारत के विभिन्न क्षेत्रों की 1,459 कंपनियों से मिली प्रतिक्रिया पर आधारित है। रिपोर्ट से पता चला कि समग्र तैयारी के बारे में पूछे जाने पर 40% उत्तरदाताओं ने कहा कि उनके संगठन इन चार श्रम संहिताओं को लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

आठवले ने नक्सलियों से मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की, फारूक पर हुए हमले को निंदनीय बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने रविवार को नक्सलियों से हिंसा छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की, साथ ही उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला पर हुए हालिया हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं और ये लोकतांत्रिक देश में अस्वीकार्य हैं।

आठवले ने कहा कि केंद्र सरकार जम्मू कश्मीर के लोगों के साथ खड़ी है, जहां 2019 में संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने दोहराया कि केंद्र शासित प्रदेश का जल्द ही राज्य का दर्जा बहाल किया जा सकता है।

'रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया' (आरपीआई) के अध्यक्ष ने यहां पत्रकारों से कहा, ''अब्दुल्ला पर 11 मार्च को हुआ हमला दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है।

उन्होंने हमेशा जम्मू कश्मीर और भारत के बाकी हिस्सों के बीच मजबूत संबंधों का समर्थन किया है। वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हमें लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना चाहिए। किसी को भी किसी की जान लेने का अधिकार नहीं है।'' उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हर तरह की हिंसा के खिलाफ है और देश में शांति चाहती है।

उन्होंने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि चरमपंथी गतिविधियों में शामिल लोगों को हिंसा का रास्ता छोड़कर लोकतांत्रिक मुख्यधारा में शामिल हो जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''किसी की हत्या करने से समस्या का समाधान नहीं होता। यदि आप न्याय के लिए लोगों को मारकर लड़ाई लड़ते हैं तो आप स्वयं को और दूसरों को नष्ट कर देते हैं। हम गरीबों, आदिवासियों और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वालों के लिए न्याय की मांग का समर्थन करते हैं, लेकिन हिंसा समाधान नहीं है। समाधान है लोकतांत्रिक व्यवस्था में आना, चुनाव लड़ना और संसद तथा विधानसभाओं में अपनी आवाज उठाना।''

एयर इंडिया के कर्मचारियों ने किया यात्रा नीति का दुरुपयोग, 4,000 से अधिक कर्मियों पर कार्रवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/मुंबई/भाषा। एयर इंडिया ने अपने कर्मचारियों के लिए निर्धारित अवकाश यात्रा नीति (ईएलटी) के उपयोग में बड़े पैमाने पर विसंगतियां पाई हैं।

सूत्रों के अनुसार, इस मामले में 4,000 से अधिक कर्मचारी शामिल हैं और एयरलाइन ने दोषी कर्मचारियों पर जुर्माना लगाने सहित सुधारात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। टाटा समूह ने जनवरी, 2022 में घाटे में चल रही एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था। इस समय एयरलाइन एक महत्वाकांक्षी परिवर्तन योजना को लागू कर रही है। एयर इंडिया में कुल 24,000 से अधिक कर्मचारी हैं। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि एयर इंडिया की ईएलटी नीति के उपयोग में बड़ी गड़बड़ियों का पता एक विस्तृत आंतरिक जांच के बाद चला। ईएलटी नीति के तहत कर्मचारियों और उनके द्वारा नामित व्यक्तियों (जैसे जीवनसाथी और माता-पिता) को एक निश्चित संख्या में

मुफ्त हवाई टिकट दिए जाते हैं। यह सुविधा कुछ शर्तों के अधीन होती है। सूत्रों ने बताया कि कई कर्मचारियों ने उन लोगों को अपना रिश्तेदार बताकर इस नीति का दुरुपयोग किया, जिनसे उनका कोई संबंध नहीं था। कुछ मामलों में तो कर्मचारियों ने मुफ्त टिकट लेकर उन्हें ऊंचे दामों पर बाहरी लोगों को बेच दिया। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया के लिए एयर इंडिया को भेजे गए विस्तृत सवालों का फिलहाल कोई जवाब नहीं मिला है। एक सूत्र ने बताया कि 4,000 से अधिक कर्मचारियों को ईएलटी नीति का दुरुपयोग करते पाया गया है। उल्लंघन के ये मामले पिछले वित्त वर्ष से जुड़े हुए हैं। हालांकि, इस दुरुपयोग के कारण हुए कुल वित्तीय नुकसान और सटीक समय अवधि का पता नहीं चल सका है। एयर इंडिया ने इस दिशा में सुधारात्मक कदम उठाते हुए संबंधित कर्मचारियों से धोखाधड़ी के जरिये ली गई राशि वापस करने को कहा है। इसके साथ ही कई दोषी कर्मचारियों पर भारी जुर्माना भी लगाया गया है।

चित्रदुर्ग जिले के चल्लकेरे तालुक में हेगरे गांव के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ। बेंगलूरु के तीन रिजर्व पुलिस कर्मियों की कार एक लॉरी से टकरा गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सड़क दुर्घटना में तीन पुलिसकर्मियों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में रविवार सुबह बेंगलूरु-बल्लारी राजमार्ग पर एक लॉरी से कार की टक्कर में तीन पुलिस उप-निरीक्षकों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह लगभग सात बजे प्रकाश स्पंज आयरन कंपनी के निकट तब हुई जब बेंगलूरु से बल्लारी जा रही कार एक ट्रक से टकरा गई। उन्होंने बताया कि कार में पांच उप-निरीक्षक सवार थे।

उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार लगभग 300 मीटर तक घिसटती चली गई।

उन्होंने बताया कि घटना में अमरेश, मंजुनाथ और सचिन की मौके पर ही मौत हो गई जबकि घायल लक्ष्मण और ईश्वर को पहले चल्लाकेरे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद उन्हें चित्रदुर्ग के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया और फिर उपचार के लिए दावणगेरे रेफर कर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक रंजीत कुमार बंदारू, हिरियूर के पुलिस उपाधीक्षक शिवकुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी तुरंत दुर्घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे। पुलिस के अनुसार मामला दर्ज कर लिया गया है और घटना की जांच जारी है।

भाजपा के ऑपरेशन 'लोटस' का भंडाफोड़ : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को दावा किया कि यहां स्थित एक रिसॉर्ट में ठहरे ओडिशा कांग्रेस के विधायकों को रिश्वत की पेशकश करने के मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी से भाजपा के ऑपरेशन 'लोटस' का भंडाफोड़ हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ओडिशा में ऑपरेशन लोटस' की योजना बनाई है और 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनावों से पहले यहां लाए गए प्रत्येक विधायक को पांच करोड़ रुपये की पेशकश की जा रही है।

कांग्रेस की ओडिशा इकाई के एक वरिष्ठ नेता ने बेंगलूरु में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कुछ लोगों ने पार्टी विधायकों को रिश्वत देने की कोशिश की और जब उन्होंने प्रस्ताव ठुकरा दिया तो उन्हें धमकाया। कांग्रेस की ओडिशा इकाई के कुछ अन्य पदाधिकारियों के साथ आठ विधायक भी रिसॉर्ट में डेरा डाले हुए हैं। उन्हें राज्यसभा चुनावों के दौरान ओडिशा में सत्तारूढ़ भाजपा के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने के लिए विधायकों की खरीद-फरोख्त की आशंकाओं के बीच बेंगलूरु लाया गया है।

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रमुख की जिम्मेदारी भी संभाल रहे शिवकुमार ने कहा कि ओडिशा कांग्रेस विधायकों को रिश्वत देने की कोशिश करने के आरोप में दो लोगों को निजी रिसॉर्ट से गिरफ्तार किया गया है। शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, चार लोग आए थे। सुरेश नाम के एक स्थानीय व्यक्ति ने उनकी मदद की। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से उनसे (विधायक से) संपर्क किया। सुबह वे हमारे विधायक को ले गए। हमारे विधायक ने हमें बताया कि उन्होंने प्रत्येक वोट के लिए पांच करोड़ रुपये की पेशकश की थी। उन्होंने (कांग्रेस विधायक) कहा कि वे बिकने वाले नहीं हैं।

शिवकुमार ने कहा कि पकड़े गए लोगों ने स्वीकार किया है कि वे खरीद फरोख्त करने आए थे। कांग्रेस ऑपरेशन 'लोटस' का इस्तेमाल कमल चुनाव चिह्न का प्रयोग करने वाली भाजपा पर गैर भाजपाई सरकारों को गिराने के लिए या राज्यसभा चुनाव में जीत के लिए कथित तौर पर विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाने के लिए करती है। कांग्रेस के एक सूत्र के अनुसार, विधायकों की खरीद-फरोख्त में शामिल व्यक्तियों में से एक लोकसभा चुनाव में हार चुका उम्मीदवार है। इसी बीच, ओडिशा में कांग्रेस विधायक दल के उपनेता अशोक कुमार दास ने बिदादी थाने के प्रभारी को दी गई शिकायत में कहा कि चार व्यक्तियों ने कुछ विधायकों से संपर्क किया और कथित तौर पर उन्हें राज्यसभा चुनाव में एक उम्मीदवार के पक्ष में 'क्रॉस-वोट' करने के लिए करोड़ों रुपये की पेशकश की।

दास ने शिकायत में कहा, ''हमारे विधायकों की सुरक्षा के लिए, हमारे आठ विधायक बेंगलूरु आए हैं और 12 मार्च से यहीं रह रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि यह कदम इस आशंका के चलते उठाया गया है कि ओडिशा में सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा एक अतिरिक्त उम्मीदवार को मैदान में उतारने के बाद विधायकों को प्रभावित करने के प्रयास किए जा सकते हैं। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, ओडिशा में राज्यसभा चुनाव सोमवार को होंगे। भाजपा ने विधानसभा में अपने संख्या बल से इतर एक और उम्मीदवार मैदान में उतारा है जिससे विधायकों की खरीद-फरोख्त की आशंकाएं बढ़ गई हैं।

सिद्दरामय्या ने केंद्र से अन्य देशों से एलपीजी का आयात करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर राज्य के कुछ हिस्सों में रसोई गैस की किल्लत को दूर करने के लिए अन्य देशों से एलपीजी आयात सहित वैकल्पिक उपायों पर विचार करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि राज्य सरकार ने विधानमंडल में इस मुद्दे पर पहले ही जवाब दे दिया है और एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार से भी इस मामले पर बात की है।

सिद्दरामय्या ने कहा, सरकार विधानसभा और विधान परिषद दोनों में दो बार पहले ही जवाब दे चुकी है। मैंने भी एक पत्र लिखा है। इस किल्लत के संबंध में मैंने कहा है कि इससे बचने के लिए अन्य देशों से एलपीजी मंगाने जैसे वैकल्पिक उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। मैं अब भी केंद्र सरकार से आग्रह कर रहा हूं। उन्होंने बताया कि आबादी का एक बड़ा हिस्सा भोजन के लिए होटलों पर निर्भर है और चेतावनी दी कि एलपीजी आपूर्ति में व्यवधान से दैनिक जीवन प्रभावित हो सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आश्वासन दिया है कि आपूर्ति में कोई व्यवधान न हो, इसके लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा, बहुत से लोग खाने के लिए होटलों पर निर्भर हैं। अगर होटल बंद हो गए तो इससे बहुत परेशानी होगी और पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने केंद्र सरकार से इस समस्या के समाधान के लिए तुरंत कार्रवाई करने का आग्रह किया है। भाजपा की राज्य इकाई के नेताओं द्वारा अन्य राज्यों में एलपीजी की किल्लत की शिकायत न किए जाने संबंधी टिप्पणी का जवाब देते हुए सिद्दरामय्या ने कहा, तो उन्हें ही आपूर्ति करने दीजिए। शायद वे कर्नाटक के प्रति सौतेला रवैया अपना रहे हैं। उन्हें ही कर्नाटक को आपूर्ति करने दीजिए। हम इसे अपने पास रखकर क्या करेंगे?

केंद्र सरकार के 'गलत फैसलों' के कारण एलपीजी की भारी कमी हुई है : स्टालिन

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसके 'गलत फैसलों' के कारण पूरे देश में एलपीजी की भारी कमी हो गई है। स्टालिन ने व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कमी को लेकर आरोप लगाया कि दूरदर्शिता और एहतियाती उपायों के अभाव के कारण भाजपा सरकार ने आम जनता को परेशानी में डाल दिया है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, केंद्र की भाजपा सरकार, जिसने विदेश नीति में भी विफलता मॉडल की पहचान बना ली है। उसने अपने गलत फैसलों के कारण सिलेंडर की गंभीर कमी पैदा कर दी है। उन्होंने कहा, जनता के गुस्से को देखते हुए केंद्र सरकार को स्थिति सुधारने के लिए आगे आना चाहिए। द्रमुक नीत एसपीए ने देश भर में घरेलू और वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की भारी कमी को लेकर रविवार को केंद्र सरकार के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। एसपीए के घटक दलों कांग्रेस, वाम दल और विदुथलाई चिरुथैगल कची (वीसीके) शामिल हैं। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से संघर्ष तेज होने के बाद एलपीजी की आपूर्ति व्यवस्था बाधित हुई है।

रफ्तार

बेंगलूरु में जारी एलपीजी की भारी किल्लत के बावजूद रविवार को शहर की व्यस्त सड़कों पर ऑटो रिक्शा चलते हुए दिखाई दिए। गैस की कमी ने परिवहन क्षेत्र को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, लेकिन चालक सीमित संसाधनों में भी सेवाएं देने की कोशिश कर रहे हैं।

तैयारी

रविवार को भारत जोड़ो भवन में ग्रेटर बेंगलूरु कॉर्पोरेशन चुनाव टिकट के उम्मीदवारों और ऑफिस वालों के साथ एक शुरुआती बैठक में सभा को संबोधित करते हुए कर्नाटक कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डीकेशिवकुमार। इस मौके पर एआईसीसी सचिव अभिषेक दत्त, मंसूर अली खान, -एआईसीसी रिसर्च डिपार्टमेंट के प्रेसिडेंट राजीव गौड़ा, विधायक ए.सी. श्रीनिवास, विधानपरिषद सदस्य डी.टी. श्रीनिवास, गोविंदराजू, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सौम्या रेड्डी, यूथ कांग्रेस प्रेसिडेंट मंजूनाथ गौड़ा और अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया।

स्पर्श हॉस्पिटल के आयोजित की 'हेल्दी किडनी रन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रविवार सुबह, विश्व किडनी दिवस के मौके पर, स्पर्श हॉस्पिटल, आरआरनगर ब्रांच ने रन फॉर हेल्दी किडनी का आयोजन किया। किडनी के स्वास्थ्य और किडनी की बीमारियों से बचने की अहमियत के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 5 किलोमीटरकी इस दौड़ में हजारों लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वास्थ्य प्रोफेशनल्स, जिनमें स्पेशलिस्ट डॉक्टर, फिटनेस के शौकीन, स्टूडेंट्स और आम लोग, खिलाड़ी शामिल थे, ने हिस्सा लिया, जिससे लोगों में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और प्रतिबद्धता दिखा। किडनी हेल्थ जागरूकता अभियान को लॉन्च करते हुए, स्पर्श ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स के चेयरमैन और चीफ ऑर्थोपेडिक सर्जन, डॉ. शरण शिवराज पाटिल ने कहा, भारत डायबिटीज और हाइपरटेंशन जैसी नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों का सामना कर रहा है, जो क्रोनिक किडनी डिजीज के मुख्य कारण हैं। इस तरह के अवेयरनेस ड्राइव के ज़रिए ज़्यादा अवेयरनेस, जल्दी पता लगाना और एक होलिस्टिक कम्युनिटी कोशिश नागरिकों में अवेयरनेस पैदा करने में अहम भूमिका निभाएगी।

बेंगलूरु में ओडिशा के कांग्रेस विधायकों को पांच-पांच करोड़ रिश्वत की पेशकश की गई : सांसद उलाका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/ बेंगलूरु। ओडिशा में राज्यसभा चुनाव से पहले क्रॉस-वोटिंग' की आशंकाओं के बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कोरापुट से सांसद सप्तगिरी शंकर उलाका ने रविवार को दावा किया कि बेंगलूरु के एक होटल में रह रहे राज्य के पार्टी विधायकों को पांच-पांच करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कोशिश की गई। उलाका ने यह आरोप कांग्रेस विधायकों को रिश्वत देने की कोशिश करने के आरोप में बेंगलूरु पुलिस द्वारा दो लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओपीसीसी) की ओर से जारी एक वीडियो संदेश में लगाया।

उलाका ने दावा किया, ''वे कांग्रेस विधायकों को पांच करोड़ रुपये प्रति विधायक देने की कोशिश कर रहे थे।'' हालांकि, ओडिशा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया। भाजपा की ओडिशा इकाई के प्रवक्ता अनिल बिस्वाल ने संवाददाताओं से कहा, ''कांग्रेस का आरोप झूठा है। राज्यसभा चुनाव में कल होने वाली अपनी निश्चित हार को भांपते हुए वे ऐसे निराधार दावे कर रहे हैं। कांग्रेस को क्रॉस-वोटिंग' की आदत है।''

उलाका के मुताबिक, चार लोग बीरेंद्र प्रसाद, सुरेश, अजीत साहू और सिमांचल महाकुड उसी होटल में ठहरे थे जहां कांग्रेस विधायक रुके हुए हैं। उन्होंने दावा किया, ''ये चारों ओडिशा के राउरकेला से आए थे और शनिवार रात होटल में रुके थे।'' उलाका ने दावा किया, ''उन्होंने विधायकों को पांच-पांच करोड़ रुपये देने की कोशिश की थी। उनके पास से ब्लैंक चेक बरामद हुए। कर्नाटक पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने के दौरान उन्होंने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय का नाम लिया।''

उन्होंने आरोप लगाया, ''होटल का मालिक राय है। जांच के दौरान जायसवाल नाम के एक व्यक्ति का नाम भी सामने आया है, जो कथित तौर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के करीबी हैं।'' कांग्रेस सांसद ने मामले की उचित जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया कि चारों व्यक्तियों ने कांग्रेस विधायकों को धमकी दी थी। ओडिशा कांग्रेस विधायक दल के नेता रामचंद्र कदम ने बताया कि पार्टी के 14 विधायकों में से आठ को कथित तौर पर प्रलोभन के प्रयासों से बचाने के लिए बेंगलूरु ले जाया गया है, जबकि उनके सहित छह अन्य भुवनेश्वर में ही हैं। इस बीच, ओपीसीसी की अनुशासनात्मक समिति ने मोहना विधायक दशरथी गोमांगो को राज्य की राजधानी से उनके ''रहस्यमय'' रूप से गायब होने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जबकि पार्टी के व्हिप में सभी विधायकों को राज्यसभा चुनाव के मतदान के दिन 16 मार्च तक भुवनेश्वर में रहने को कहा गया है।

विमोचन

बेंगलूरु में रविवार को कोंडाजी बसप्पा ऑडिटोरियम में इंदिरा लंकेश प्रकाशन द्वारा आयोजित 'पार्ट-3 की आलोचना की किताब-नोटस' और लंकेश की कहानियों की ऑडियो बुक का लोकार्पण मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया। उन्होंने कार्यक्रम का उद्घाटन किया, किताब और ऑडियो बुक रिलीज़ की, और फिर कार्यक्रम को संबोधित किया।

पलानीस्वामी ने विजय के नेतृत्व वाली टीवीके से गठबंधन की संभावना को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्नाद्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए विजय के नेतृत्व वाली नवगठित तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन की संभावना को खारिज कर दिया और इसे महज मीडिया की अटकलें बताया है। पलानीस्वामी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता के. अन्नामलाई के साथ किसी भी तरह के मतभेद से इनकार किया और कहा कि मीडिया ही समस्या पैदा कर रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष 17 मार्च को कोयंबटूर में होने वाले प्रदर्शन की अध्यक्षता करने वाले हैं और उनके साथ अन्नाद्रमुक नेता एस.पी. वेलुमणि भी मोजूद रहेंगे।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने मीडिया से अपील की है कि वे उनके और अन्नामलाई के बीच मतभेद का दावा करके परेशानी पैदा न करें। यह पूछे जाने पर कि क्या अभिनेता से नेता बने विजय की टीवीके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होगी या नहीं, पलानीस्वामी ने कहा, मैंने पहले ही स्पष्ट कर दिया है। अब तक हमारी उनसे (टीवीके से) कोई बातचीत नहीं हुई है। ऐसे में गठबंधन कैसे हो सकता है? मीडिया इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है और यह अनावश्यक दावा कर रहा है कि गठबंधन होगा (टीवीके, राजग गठबंधन में शामिल होगी)। अन्नाद्रमुक का उस पार्टी से कोई संपर्क नहीं है और हमने (गठबंधन के लिए) कोई बातचीत नहीं की है। विपक्ष के नेता ने यह टिप्पणी 14 मार्च को मीडिया संस्थान 'चाणक्य' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लेते हुए की। तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक, राजग का नेतृत्व कर रही है।

अन्नाद्रमुक प्रमुख ने कहा कि अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) प्रमुख टीटीवी दिनाकरण के साथ उनके अच्छे संबंध हैं और दोनों चुनाव में जीत के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मामूली मतभेद स्वाभाविक थे और अब वे सुलझ गए हैं।

जयपुर सोल्जराथॉन में 4,500 से अधिक सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों और खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर मिलिट्री स्टेशन में रविवार को आयोजित 'जयपुर सोल्जराथॉन 2026' के पहले संस्करण में 4,500 से अधिक धावकों ने भाग लिया। इनमें सेवारत सैनिक, पूर्व सैनिक, पेशेवर खिलाड़ी, विद्यार्थी और आम नागरिक शामिल थे। सोल्जराथॉन के संरक्षक और मिजोरम के राज्यपाल वी. के. सिंह ने दक्षिण-पश्चिमी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह की उपस्थिति में मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम का आयोजन गांडीव स्टेडियम में हुआ। इसका उद्देश्य फिटनेस, अनुशासन और सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना था। इसका विषय सैनिकों के साथ दौड़ो, सैनिकों के लिए दौड़ो था।

इस दौड़ के माध्यम से पैराप्लेजिया (कमर से नीचे के हिस्से का लकवा) से पीड़ित एवं रीढ़ की हड्डी की चोट झेल चुके सैनिकों के प्रति एकजुटता व्यक्त की गई और 'पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र' का समर्थन किया गया। इस कार्यक्रम में कई दौड़ श्रेणियां शामिल थीं, जिनमें 21 किलोमीटर 'हाफ मैराथन', 10 किलोमीटर 'टाइम्ड रन', पांच किलोमीटर 'ट्रिब्यूट रन', तीन किलोमीटर 'फन रन' शामिल थे। इसमें विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों को भाग लेने का अवसर मिला। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान जुम्बा सेशन, पंजाबी ढोल और भांगड़ा प्रस्तुतियां, गटका मार्शल आर्ट प्रदर्शन, आर्मी बैंड की धुनें, फेस पेंटिंग जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

उन्होंने बताया कि विजेताओं को नकद पुरस्कार भी दिए गए, जिनमें 21 किलोमीटर दौड़ के विजेताओं के लिए 10,000 रुपये नकद और 10 किलोमीटर दौड़ के विजेताओं के लिए 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार शामिल था, साथ ही विभिन्न आयु वर्गों में 'रनर-अप' रहे प्रतिभागियों को भी पुरस्कार दिए गए।

सरकार 'विकसित राजस्थान' के निर्माण की दिशा में काम कर रही : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार 'विकसित राजस्थान' के निर्माण के संकल्प के साथ काम कर रही है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' की ओर बढ़ रहा है। शर्मा ने अमर जवान ज्योति पर राजस्थान दिवस समारोह के तहत आयोजित 'विकसित राजस्थान रन' में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों का उत्साह राज्य को विकसित बनाने के सरकार के संकल्प को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, स्वास्थ्य ही धन है। दिन की शुरुआत दौड़ से करने पर पूरे दिन ऊर्जा बनी रहती है। फिट और स्वस्थ रहना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि इसी तरह की दौड़ राज्य के अन्य जिलों में भी आयोजित की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान दिवस पारंपरिक रूप से 30 मार्च को मनाया जाता था, क्योंकि 1949 में कई रियासतों के विलय से ग्रेटर राजस्थान का गठन हुआ था। उन्होंने कहा कि उस दिन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा थी इसलिए राज्य सरकार ने पिछले वर्ष से राजस्थान दिवस को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर मनाना शुरू किया। इस वर्ष यह तिथि 19 मार्च को है और मुख्य समारोह जालोर में होगा। राजस्थान दिवस के कार्यक्रमों की श्रृंखला 14 मार्च से शुरू हुई है और 19 मार्च तक पूरे राज्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस 16 मार्च को बेणेश्वर धाम में आयोजित किया जाएगा। इसमें विकास कार्यों की नींव, जनजातीय कला एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी और संवाद सत्र होगा। इसके बाद 17 मार्च को जयपुर में राज्य स्तरीय युवा सम्मेलन-राजस्थान युवा शक्ति दिवस आयोजित किया जाएगा जबकि 18 मार्च को किसान एवं पशुपालक समृद्धि दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर राज्य संचालित मंदिरों में संध्या आरती होगी और महाआरती में मुख्यमंत्री शामिल होंगे। जालोर में 19 मार्च को राजस्थान दिवस समारोह का मुख्य आयोजन होगा और शाम को जयपुर में राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' विजन के अनुरूप प्रदेश सरकार 'विकसित राजस्थान-2047' के विजन पर कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान के व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने आह्वान किया कि सभी पात्र लोग योजनाओं का लाभ लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रदेश में बिजली, पानी, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। साथ ही, राज्य सरकार किसान, महिला, युवा, मजदूर सहित सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं के सशक्तीकरण के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। युवाओं के लिए हमारी सरकार युवा नीति लाई है। युवाओं को ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है, जिससे उद्यमिता को बढ़ावा मिले और युवा रोजगार प्रदाता भी बनें। उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप अपने सपनों की उड़ान के लिए तैयार रहिए, राज्य सरकार आपके सपनों को साकार करने में हरसंभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को सरकारी क्षेत्र में 4 लाख एवं निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। अब तक 1 लाख 25 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी है। वहीं 1 लाख 33 हजार भर्ती प्रक्रियाधीन हैं तथा 1 लाख से ज्यादा पदों का भर्ती कैलेण्डर जारी किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पेपरलीक जैसे प्रकरणों से युवाओं के भविष्य पर कुठाराघात करने वाले आज सलाखों के पीछे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ दौड़ में हिस्सा लेकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इस दौरान विधायक गोपाल शर्मा एवं मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में प्रतिभागी व आमजन मौजूद रहे।

मोदी के खिलाफ कभी जातिवादी टिप्पणी नहीं की: मणिशंकर अय्यर

मैंने उन्हें कभी 'नीची जाति' का व्यक्ति नहीं कहा। मैंने उनके चरित्र के संदर्भ में उन्हें 'नीच किस्म के व्यक्ति' कहा था। यह पूरी तरह अलग बात है। अय्यर ने कहा कि उनकी बातों को गलत तरीके से पेश किया गया और ऐसा दिखाया गया कि मानो वह मोदी की जाति पर टिप्पणी कर रहे हों।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जातिवादी टिप्पणी करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियां मोदी के चरित्र को लेकर थीं, न कि उनकी जाति को लेकर। नौकरशाह से नेता बने अय्यर ने कहा कि उन्हें अंग्रेजी बोलने के कारण मैकॉले की औलाद कहा जाता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री मोदी तमिल जानते हैं।

अय्यर ने अपने कथित पुराने बयानों संबंधी विवाद पर कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को कभी नीची जाति का नहीं कहा। उन्होंने शनिवार शाम जयपुर में एक कार्यक्रम में कहा, मैंने उन्हें कभी 'नीची जाति' का व्यक्ति नहीं कहा। मैंने उनके चरित्र के संदर्भ में उन्हें 'नीच किस्म के व्यक्ति' कहा था। यह पूरी तरह अलग बात है। अय्यर ने कहा कि उनकी बातों को गलत तरीके से पेश किया गया और ऐसा दिखाया गया कि मानो वह मोदी की जाति पर टिप्पणी कर रहे हों।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने इसे जातिगत अपमान के रूप में प्रचारित किया क्योंकि अय्यर ब्राह्मण हैं। पूर्व मंत्री ने अपनी इस कथित टिप्पणी पर विवाद का भी जिक्र किया कि चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री नहीं बन सकता। अय्यर ने इसे भी गलत ठहराते हुए कहा कि उन्होंने कभी ऐसा बयान नहीं दिया।

उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं कहा कि क्योंकि वह चाय बेचते थे, इसलिए प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। अय्यर ने कहा कि उन्होंने इतिहास के बारे में ज्ञान की कमी को लेकर मोदी की आलोचना की थी। अय्यर के अनुसार, उन्होंने सवाल उठाया था कि उनकी नजर में जो व्यक्ति ऐतिहासिक तथ्यों को नहीं जानता, वह उस भूमिका में (प्रधानमंत्री) कैसे हो सकता है, जिसमें जवाहरलाल नेहरू रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसे ऐतिहासिक बिंदुओं का जिक्र किया था, जैसे सिकंदर कभी पाटलिपुत्र तक नहीं पहुंचा और नालंदा भारत में है, जबकि तक्षशिला अब पाकिस्तान में है। अय्यर ने कहा कि ये टिप्पणियां करने के बाद उन्होंने मजाक में कहा था कि यदि मोदी चुनाव हारने के बाद चाय बांटना चाहें तो उसकी व्यवस्था की जा सकती है।

उन्होंने कहा, उन्हें चायवाला किसने कहा? खुद मोदी ने ही कहा था कि वह चायवाले थे। उन्होंने मोदी के इस दावे पर भी संदेह जताया कि उन्होंने अपने गृह नगर वडनगर में रेलवे प्लेटफार्म पर चाय बेची थी। अय्यर ने दावा किया कि 1973 तक उस शहर में रेलवे प्लेटफार्म था ही नहीं।

सांस्कृतिक आयोजनों में सहभागिता कर प्रदेश की कला-साहित्य एवं संस्कृति को दें बढ़ावा : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को सुबह जवाहर कला केन्द्र की आर्ट गैलरी में राजस्थान ललित कला अकादमी के द्वारा लगाई गई चित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन, कला- साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व एवं जवाहर कला केन्द्र के महानिदेशक प्रवीण गुप्ता, उप सचिव कला- साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग एवं जवाहर कला केन्द्र की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. अनुराधा गोगिया भी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने दीप प्रज्ज्वलित किया तथा तीन चित्र प्रदर्शनियों का फीता काटकर शुभारंभ किया। उन्होंने चित्र प्रदर्शनी में प्रदर्शित चित्रों को बारीकी से देखा और उनके कलाकारों से उसके विषय में बात कर बेहतरीन चित्रों की प्रशंसा की और चित्र कलाकारों का उत्साह वर्धन किया। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने इस अवसर पर लोक कलाकारों के प्रदर्शन को सराहा और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राजस्थान दिवस के अवसर पर पर्यटन, कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग की ओर से सप्ताह भर के आयोजन में प्रदेश के इतिहास, कला एवं संस्कृति का उत्सव मनाया जा रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे इस अवसर पर आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर सहभागिता करें तथा प्रदेश की कला-साहित्य एवं संस्कृति को बढ़ावा दें।

मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान सरकार एवं भारत सरकार दोनों ही देश एवं राज्य की कला एवं संस्कृति तथा ऐतिहासिक धरोहरों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार प्रदेश के कलाकारों को मंच प्रदान करने के लिए नियमित रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इस बात के लिए प्रयासरत है कि राज्य के कलाकारों को स्थानीय और राज्य स्तर के साथ-साथ राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी कला का प्रदर्शन करने के अवसर मिले। मुख्य सचिव ने इस अवसर पर जवाहर कला केंद्र की ओर से राजस्थान दिवस के अवसर पर विभिन्न अकादमियों के सहयोग से आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का पोस्टर विमोचन किया। इससे पूर्व मुख्य सचिव के जवाहर कला केंद्र में आगमन पर अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन, कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व प्रवीण गुप्ता ने बुके भेंट कर मुख्य सचिव का स्वागत किया। अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन, कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा इस बार राजस्थान दिवस, पिछले वर्ष की घोषणा अनुसार चैत्र शुक्ल की प्रतिपदा को (19 मार्च) मनाया जा रहा है। इस हेतु प्रदेश भर में राजस्थान दिवस सप्ताह के अंतर्गत (14 मार्च से 19 मार्च तक) पर्यटन, कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में प्रदेश को आदर्श राज्य के रूप में स्थापित करने हेतु विभाग कृत संकल्पित : गोदारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रविवार को विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा राज्य स्तरीय उपभोक्ता सम्मेलन का आयोजन जयपुर के कांस्टीट्यूशन क्लब में किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सुरक्षित उत्पाद-आश्वस्त उपभोक्ता थीम आधारित सम्मेलन में उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने अपने संबोधन में कहा कि नकली ब्रांडों की बाजार में बिक्री चिंताजनक है तथा एक बड़ी चुनौती है।

इस संबंध में जागरूकता फैलाने की महती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है। तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा विभिन्न नवाचारों के माध्यम से उपभोक्ता अदालतों को मजबूत करने के प्रयास किए गए हैं। इस क्रम में उपभोक्ता आयोगों में भर्ती लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से करवाई गई ताकि व्यवस्था अधिक पारदर्शी बन सके। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई का प्रावधान किया गया। इसके अतिरिक्त आयोग उपभोक्ता आयोगों के अध्यक्ष एवं सदस्यों को वार्षिक रूप से 15 अवकाशों की भी स्वीकृति दी गई है।

उन्होंने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में प्रदेश को आदर्श राज्य के रूप में स्थापित करने हेतु विभाग कृत संकल्पित है। उन्होंने कहा कि आयोग में शिकायत लेकर पहुंचे आमजन के साथ अच्छा व्यवहार होना चाहिए। उपभोक्ता हेल्पलाइन को मजबूत करने की दिशा में सार्थक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही ग्रामीण अंचलों में उपभोक्ता अधिकारों के बारे में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाई जाएगी।

इस दौरान गिव अप अभियान पर चर्चा करते हुए गोदारा ने कहा की खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र लोगों के नाम जुड़ने से अनेकों पात्र गरीब वंचित हो गए और संपन्न लाभ लेने लगे जिससे मूल उद्देश्य से योजना का भटकाव हुआ। उन्होंने कहा कि इस विसंगति को दूर करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 2016 में शुरू किए गए गिव इट अप अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य में संपन्न लोगों को स्वेच्छा से अपनी खाद्य सब्सिडी त्यागने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए गिव अप अभियान की शुरुआत 1 नवंबर 2024 को की गई। करीब सोलह महीने चले इस अभियान के तहत करीब 55 लाख लोगों ने स्वप्रेरणा से खाद्य सब्सिडी छोड़ी। 27 लाख लाभार्थियों के नाम ई केवाईसी नहीं करवाने के कारण खाद्य सुरक्षा सूची से स्वत: हट गए। इस प्रकार 82 लाख पात्र वंचितों के लिए खाद्य सुरक्षा सूची में जगह बनी। गत वर्ष 26 जनवरी को माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के कर कमलों से खाद्य सुरक्षा पोर्टल पुन: प्रारंभ होने के बाद करीब 77 लाख वंचित पात्रों को विभाग ने खाद्य सुरक्षा से जोड़ा है। इस अवसर पर उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने अध्यक्ष के रूप में उपस्थित प्रतिभागियों से गुणवत्ता युक्त वस्तुएं काम मे लेने की शपथ दिलाई।

जयपुर का अनोखा घर 'फुटबॉल भवन' जहां हर कोना फुटबॉल से सजा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आमतौर पर घरों के नाम किसी आस्था, रिश्ते, शुभ संकेत या प्रकृति से प्रेरित होते हैं, लेकिन राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक ऐसा घर है जिसका नाम सुनकर लोग ठिठक जाते हैं और मुस्कुरा उठते हैं। इस घर का नाम है - फुटबॉल भवन। यह नाम किसी सजावटी कल्पना का नतीजा नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के जीवनभर के जुनून की कहानी है जिसके लिए फुटबॉल सिर्फ खेल नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। जयपुर के नेहरू नगर निवासी और राजस्थान फुटबॉल संघ के पूर्व सचिव 80 वर्षीय लालचंद अग्रवाल ने अपने घर का नाम फुटबॉल भवन रखा है। फुटबॉल के प्रति उनका लगाव इतना गहरा है कि जब उन्होंने अपना घर बनाया तो उसे उसी पहचान से जोड़ दिया जिसने उनके जीवन को दिशा दी। अग्रवाल का कहना है कि उनके घर के बाहर लगा यह नाम लोगों को अक्सर रुकने पर मजबूर कर देता है। राहगीर जिज्ञासावश पूछ बैठते हैं, आखिर घर का नाम फुटबॉल भवन क्यों? और फिर शुरू होती है उनके जुनून की दिलचस्प कहानी। अग्रवाल ने कहा कि राहगीर अक्सर रुककर इस अनोखे नाम के पीछे की कहानी पूछते हैं।

उनका दावा है कि आज पूरे देश में फुटबॉल भवन नाम का घर सिर्फ जयपुर में ही है। वह बताते हैं कि पहले ऐसे दो घर थे - एक कोलकाता के मशहूर खिलाड़ी एस. मेवालाल का और दूसरा उनका। अग्रवाल ने बताया कि कुछ समय पहले जब वह कोलकाता गए तो वहां के फुटबॉल भवन को देखने की इच्छा हुई। लेकिन वहां पहुंचकर पता चला कि वह घर बिक चुका है और उसे तोड़कर उसकी जगह नया मकान बन चुका है।

अग्रवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जब वह किशनपोल बाजार में किराए के मकान में रहते थे और फुटबॉल खेलते थे, तभी उन्होंने संकल्प लिया था कि अगर कभी अपना घर बनाएंगे तो उसका नाम फुटबॉल भवन ही रखेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 1970 में जब उन्होंने अपना घर बनाया तो अपने उसी संकल्प को साकार कर दिया। यह घर केवल नाम से ही फुटबॉल से जुड़ा नहीं है। इसके भीतर एक छोटा सा अनोखा फुटबॉल संग्रहालय भी है। यहां फुटबॉल आकार के जूते, ट्रॉफियां, मास्क, टेडी बियर, घड़ियां, कप, पेंसिल, पंखे, बालकनी सजावट की सामग्री, पेपरवेट, की-चेन, फोटो फ्रेम, कैप और जर्सी जैसी कई वस्तुएं सजी हुई हैं। फुटबॉल भवन में स्वीडन, इंग्लैंड, ब्राजील, जापान, चीन, जर्मनी, फ्रांस, इंडोनेशिया, कतर और थाईलैंड सहित करीब 70 देशों से लाई गई फुटबॉल से जुड़ी वस्तुएं मौजूद हैं। अग्रवाल राजस्थान फुटबॉल टीम के कप्तान भी रह चुके हैं और राजस्थान फुटबॉल एडहॉक कमेटी के संयोजक की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं। उनका कहना है कि फुटबॉल उनके जीवन से कभी अलग नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, फुटबॉल मेरे जीवन में इस तरह बस गया है कि हर चीज में उसकी झलक दिखाई देती है। इसमें मेरी आत्मा बसती है। अग्रवाल ने कहा कि जब भी वह किसी दूसरे देश जाते हैं तो वहां से फुटबॉल से जुड़ी कोई न कोई चीज जरूर तलाशते हैं। उन्होंने कहा कि इस अनोखे संग्रह को बढ़ाने में उनके परिवार के सदस्य भी उनका पूरा साथ देते हैं। उन्होंने कहा कि उनका बेटा पवन, जो मर्चेंट नेवी में था, जब भी किसी देश में जाता तो वहां से फुटबॉल से जुड़ी वस्तुएं लेकर आता था। अग्रवाल ने कहा कि उनके घर में फुटबॉल का जुनून सिर्फ उन्हीं तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि परिवार के सभी सदस्यों को यह खेल बेहद पसंद है। जब भी कोई बड़ा मैच होता है, पूरा परिवार एक साथ बैठकर उसे देखता है। उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉल खिलाड़ी रह चुकीं उनकी बहुएं अर्चना और सरिता मजाक में कहती हैं कि इस घर में किसी को क्रिकेट का शौक नहीं है। अग्रवाल के पास एक खास ट्रॉफी भी है, जिसका वजन 15 किलोग्राम है।

उन्होंने कहा, एक दिन मेरे मन में आया कि क्या ऐसी फुटबॉल की कल्पना की जा सकती है जो हाथी का वजन भी उठा सके। इसी सोच से प्रेरित होकर मैंने फुटबॉल के ऊपर हाथी की आकृति वाली एक विशेष ट्रॉफी बनवाई। जयपुर का यह फुटबॉल भवन सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि उस जुनून की मिसाल है जो किसी इंसान के जीवन को पहचान दे देता है।

पुलिस भर्ती परीक्षा प्रश्न पत्र को लेकर उठा विवाद, आदित्यनाथ ने दी सख्त हिदायत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (दारोगा) भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में पूछे गए एक सवाल को लेकर उठे विवाद के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी भर्ती परिषदों के अध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा है कि किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ या संप्रदाय की मर्यादा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी न की जाए।

राज्य सरकार द्वारा यहां जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने सभी भर्ती परिषदों के अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों में किसी भी व्यक्ति, जाति, पंथ, संप्रदाय की मर्यादा एवं आस्था के विषय में अमर्यादित टिप्पणी न की जाए।

बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस निर्देश का संज्ञान लेते हुए सभी भर्ती परीक्षाओं में प्रश्न पत्र बनाने वालों को निर्देशित किया जाए और बार-बार गड़बड़ी करने वालों को तत्काल प्रतिबंधित किया जाए। बयान के मुताबिक आदित्यनाथ ने यह भी निर्देश दिया है कि इस हिदायत को प्रश्न पत्र बनाने वालों के साथ होने वाले समझौता ज्ञापन (एमओयू) का भी हिस्सा बनाया जाए। उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (दारोगा) भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में पूछे गए एक सवाल को लेकर खासा विवाद खड़ा हो गया है। शनिवार को आयोजित परीक्षा में एक प्रश्न पूछा गया था- अवसर के अनुसार बदल जाने वालों के लिए एक शब्द में उत्तर दें। इसके लिए चार विकल्प दिए गए थे- पंडित, अवसरवादी, निष्कपट और सदाचारी। प्रश्न के विकल्पों में 'पंडित' शब्द शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई गई है, जिसके बाद राज्य सरकार ने मामले का संज्ञान लेते हुए इस संबंध में जांच के निर्देश दिए हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रश्न में दिए गए विकल्पों पर सरकार को गंभीर आपत्ति है और इसे संज्ञान में लिया गया है। इस बीच, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने शनिवार देर शाम कहा कि संदर्भित प्रश्न के संबंध में जांच के आदेश दिए गए हैं और जांच के बाद दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ब्राह्मण समुदाय से संबंध रखने वाले भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के सचिव अभिजात मिश्रा ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रश्न पर आपत्ति जताते हुए प्रश्न पत्र तैयार करने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस बीच, उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने शनिवार देर शाम अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, ''उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा 14 मार्च को आयोजित की गई उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों के भर्ती की लिखित परीक्षा की पहली पाली में पूछे गए एक प्रश्न पर सोशल मीडिया में दृष्टिगत चर्चाओं के परिप्रेक्ष्य में, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड यह अवगत कराना चाहता है कि पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा अपने प्रश्न पत्र स्वयं स्थानीय स्तर पर निर्धारित नहीं किए जाते हैं।''

सिर्फ बसपा ही बहुजन समाज के हित और उत्थान के लिए काम करने वाली 'असली पार्टी' है : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य विरोधी दलों की कथनी और करनी में भारी अंतर होने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि सिर्फ बसपा ही बहुजन समाज के हित और उत्थान के लिए काम करने वाली 'असली पार्टी' है। उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) को 'छलावा' बताते हुए आरोप लगाया कि सपा और अन्य विरोधी पार्टियां इन वर्गों का वोट लेकर सरकार तो बनाती हैं लेकिन बाद में इन तबकों को 'तिरस्कृत' कर देती हैं।

मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती पर रविवार सुबह लखनऊ स्थित बसपा के केंद्रीय शिविर कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ लोगों के साथ उनके चित्र एवं प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नक्शेकदम पर चलने वाली बसपा 'बहुजन समाज' का हित, कल्याण व उत्थान करने वाली 'असली पार्टी' है जबकि सपा व अन्य विरोधी दलों के कथनी व करनी में भारी अंतर होता है। मायावती ने 'बहुजन समाज' के लोगों से आह्वान किया कि वे बसपा से जुड़ सच्चे, ईमानदार व 'मिशनरी अंबेडकरवादी' बनें और सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर द्वारा संविधान में बहुजनों के हित, कल्याण और उत्थान के लिए दिए गए अधिकारों को जमीन पर लागू करें। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने सपा के पीडीए को विशुद्ध 'छलावा' करार देते हुए कहा कि वास्तव में दलितों, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि का हर स्तर पर शोषण करने वाली पार्टियों में भी खासकर सपा का पीडीए प्रेम विशुद्ध छलावा है। उन्होंने कहा कि सपा को दलितों पिछड़ों, मुस्लिम समाज के लोगों और उनके महापुरुषों की याद सिर्फ चुनाव के समय ही आती है लेकिन सरकार बन जाने के बाद वह उन्हें अन्य पार्टियों की ही तरह तिरस्कृत कर देती है।

किसान समूह बनाकर कार्य करेंगे तभी उन्हें योजनाओं का पूरा लाभ मिलेगा : जयंत चौधरी

लखनऊ/भाषा। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने रविवार को कहा कि किसानों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ तभी मिल सकता है, जब वे जागरूक होकर संगठित तरीके से काम करें और समूह बनाकर अपनी गतिविधियों का विस्तार करें।

चौधरी ने देवरिया शहर के चीनी मिल ग्राउंड में पार्टी की ओर से आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए संगठित प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि 'फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गैनाइजेशन' (एफपीओ) के माध्यम से किसान अपनी उपज को बेहतर बाजार तक पहुंचा सकते हैं और व्यापार का विस्तार कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से किसानों को सुलभ ऋण उपलब्ध कराने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की सीमा बढ़ाई गई है लेकिन इन योजनाओं का पूरा लाभ तभी मिलेगा जब किसान जागरूक होकर समूह बनाकर कार्य करेंगे। चौधरी ने कहा कि किसान स्वभाव से ही जोखिम उठाने वाला होता है और हर मौसम तथा हर सीजन में खेती के साथ जोखिम लेता है। उन्होंने कहा कि अगर किसानों की नई पीढ़ी खेती के साथ-साथ व्यापार और प्रबंधन की समझ भी विकसित कर ले, तो गांवों की तस्वीर बदल सकती है।

केंद्रीय मंत्री ने अपने दादा दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न चौधरी चरण सिंह व पिता स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह द्वारा किसानों के हित में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार भी उन्हीं के विचारों के अनुरूप किसानों के हित में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज किसान असहाय नहीं बल्कि वह देश की सांस्कृतिक धरोहर है।

मथुरा में अज्ञात हमलावरों ने साधु पर किया जानलेवा हमला, घायल

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले स्थित एक गांव में कुछ अज्ञात हमलावरों ने मंदिर परिसर में भोजन बना रहे एक साधु पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने साधु के गले पर वार कर उसकी हत्या करने की कोशिश की। पुलिस ने घायल साधु को अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि यह घटना बरसाना थाना क्षेत्र के गांव सहार की है, जहां रविवार पूर्वा श्री राधावल्लभ मंदिर पर रह रहे साधु मोहन दास उर्फ गूंगा बाबा (48) पर खाना बनाते समय बाहर से आए अज्ञात लोगों ने चाकू से हमला कर दिया।

उन्होंने बताया कि इस हमले में साधु गंभीर रूप से घायल होकर वहीं गिर पड़े, जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी ने बताया कि साधु की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी हालांकि अब तक यह पता नहीं चल सका है कि हमलावर कौन थे, कितने थे और उन्होंने साधु की जान लेने की कोशिश क्यों की। पुलिस हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर बसपा संस्थापक कांशीराम के लिए भारत रत्न की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे उन लाखों लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान होगा, जो कांशीराम को सशक्तीकरण और आशा के प्रतीक के रूप में देखते हैं।

राहुल ने मोदी को लिखे पत्र में कहा कि कांशीराम ने भारतीय राजनीति का स्वरूप बदल दिया और अपने आंदोलनों के माध्यम से बहुजनों व गरीबों में राजनीतिक जागरूकता पैदा की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पत्र में कहा, आज (रविवार को) जब हम कांशीराम जी की जयंती मना रहे हैं और उनकी विरासत व योगदान पर विचार कर रहे हैं, तो मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। उन्होंने कहा, कांशीराम जी ने भारतीय राजनीति का स्वरूप बदल दिया। अपने आंदोलनों के माध्यम से उन्होंने बहुजनों और गरीबों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाई। उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि उनका मत, उनकी आवाज और उनका प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है और यह देश सभी का समान रूप से है। राहुल ने कहा कि कांशीराम के प्रयासों के कारण, कई ऐसे लोग जिन्होंने कभी सार्वजनिक जीवन में आने के बारे में सोचा भी नहीं था, उन्होंने राजनीति को न्याय और समानता प्राप्त करने के साधन के रूप में देखना शुरू कर दिया।

असम सरकार ने चार सशस्त्र समूहों के साथ अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर किए

गुवाहाटी/भाषा। असम सरकार ने रविवार को तीन कुकी उग्रवादी संगठनों और एक हमार संगठन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सरकार ने दावा किया कि इन समझौतों के साथ राज्य में जातीय उग्रवाद का अंत हो गया है। सरकारी बयान के अनुसार इन चारों संगठनों ने 2012 में तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री और मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हथियार डाल दिए थे और 'सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन' समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले कुकी संगठन में यूनाइटेड कुकीगाम डिफेंस आर्मी (यूकेडीए), कुकी रिवोल्यूशनरी आर्मी (केआरए) और कुकी लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (केएलओ) / कुकी लिबरेशन आर्मी (केएलए) शामिल हैं। इसके अलावा हमार संगठन हमार पीपुल्स कन्वेंशन-डेमोक्रेटिक (एचपीसी-डी) ने भी सरकार के साथ अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर किए। इन संगठनों में यूकेडीए का गठन 2010 में और केआरए का 2000 में कर्बी अंगलॉग जिले में हुआ था, जबकि केएलओ और केएलए का गठन क्रमशः 1992 और 1993 में दिमा हसाव जिले में हुआ था। हमार संगठन एचपीसी-डी की स्थापना 200304 में हुई थी। सरकार और इन संगठनों के बीच कई दौर की त्रिपक्षीय वार्ताएं हुईं जो मौजूदा सरकार के दौरान तेज हुईं और अंततः इन समझौतों पर हस्ताक्स्तार किए गए। इन समझौतों के तहत कुकी और हमार समुदायों के लिए कल्याण और विकास परिषदों का गठन किया जाएगा, जिनका मुख्यालय गुवाहाटी में होगा।

कांग्रेस ने अपने शासनकाल में असम के स्वास्थ्य बजट से हर साल 150 करोड़ रुपए हड़पे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम में 15 वर्ष के अपने शासनकाल के दौरान राज्य के स्वास्थ्य सेवा बजट से प्रति वर्ष 150 करोड़ रुपए ''अपनी जेब में डाल लिए''। शाह ने कहा कि दूसरी ओर, भाजपा ने राज्य में अपने 10 साल के शासनकाल में इस क्षेत्र को पूरी तरह से बदल दिया है।

शाह ने 2,092 करोड़ रुपए की स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला रखते हुए कहा, ''10 साल पहले असम की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था बदहाल थी क्योंकि कांग्रेस केवल अपने नेताओं के परिवारों की आर्थिक स्थिति के लिए काम कर रही थी।'' केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि 2016 तक कांग्रेस के शासनकाल के दौरान इस क्षेत्र में भ्रष्टाचार हुआ था और कहा, ''15 वर्षों तक, हर साल, राज्य के स्वास्थ्य बजट से 150 करोड़ रुपए उन्होंने अपनी जेब में डाल लिए।'' उन्होंने कहा, ''इन रुपयों को नौ लाख ऐसे बच्चों के इलाज पर खर्च दिखाया गया जो कभी पैदा ही नहीं हुए और 390 आंगनवाड़ी केंद्रों पर खर्च दिखाया गया जिनका निर्माण कभी हुआ ही नहीं।'' शाह ने कहा कि भाजपा समाज के सभी वर्गों के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए काम करती है और उन्होंने राज्य की चिकित्सा सुविधाओं को गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों के बराबर लाने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''दस वर्षों में असम चिकित्सा देखभाल और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो गया है।'' कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करने के उनके प्रयास में देश को ''बदनाम'' करने के उनके कृत्यों का कोई भी भारतीय समर्थन नहीं करता। उन्होंने नई दिल्ली में हाल में हुए एआई शिखर सम्मेलन में कांग्रेस के 'शर्ट उताकर' विरोध प्रदर्शन करने और संसद भवन की सीढ़ियों पर 'चाय-पकौड़ा' खाने के लिए गांधी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''हम भी विपक्ष में थे और हमने भी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए थे, लेकिन इसके लिए एक सही मंच होता है।''

ओडिशा सरकार माओवाद प्रभावित 485 गांवों में खेल सामग्री वितरित करेगी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार माओवाद प्रभावित 10 जिलों के 485 गांवों में युवाओं को खेल सामग्री वितरित करेगी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, खेल एवं युवा सेवा विभाग द्वारा 'ग्रामोदय अभियान' के तहत यह पहल की जा रही है, जिसका उद्देश्य दूरदराज और माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना और उनमें खेल प्रतिभा को बढ़ावा देना है। योजना के लिए विभाग ने कुल 2.42 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है।

इसमें कहा गया कि इस पहल से बरगढ़, बोलांगीर, बौध, कंधमाल, कालाहांडी, कोरापुट, मल्कानगिरि, नबरंगपुर, नुआपाड़ा और रायगढ़ जिलों के युवा लाभान्वित होंगे।

बयान के अनुसार, प्रत्येक चयनित गांव को 50,000 रुपए मूल्य की खेल सामग्री दी जाएगी। इसमें क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल और बैडमिंटन जैसे आउटडोर खेलों के उपकरणों के साथ-साथ शतरंज और कैरम जैसे इंडोर खेलों की सामग्री भी शामिल की जाएगी।

विभाग ने कहा कि 'ग्रामोदय' केवल सामग्री वितरण कार्यक्रम नहीं है, बल्कि माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में शांति, प्रगति और सामाजिक सौहार्द का संदेश भी है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की होगी हार : अखिलेश यादव

मुंबई/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अगले महीने होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ेगा। अखिलेश ने साथ ही विश्वास व्यक्त किया कि तृणमूल कांग्रेस(टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी मुख्यमंत्री के पद पर बनी रहेंगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि समाजवादी पार्टी असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल सहित चार राज्यों में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को अपना समर्थन देगी। इन चार राज्यों में अप्रैल में विधानसभा चुनाव होंगे। उन्होंने कहा, '' हम असम में एक सीट की मांग कर रहे हैं, और अगर ऐसा नहीं भी होता है, तो भी हम 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी दलों का समर्थन करेंगे।'' असम और केरल में नौ अप्रैल को मतदान होगा, जबकि पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में और तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा। अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने और साथ ही यह भी सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वह केंद्र सरकार के हाथों की कठपुतली न बन जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का समर्थन करने के लिए पश्चिम बंगाल के मतदाताओं की सराहना की और कहा कि लोग केंद्र सरकार के भेदभाव या कुप्रबंधन को नहीं भूलेंगे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 'सम्मानजनक हार' चाहती है। उन्होंने कहा कि पूर्वी राज्य के लोग राजनीतिक रूप से जागरूक हैं और ममता बनर्जी मुख्यमंत्री के रूप में फिर से लौटेंगी।

बंगाल में वाम दलों के पुनरुत्थान को लेकर आश्वस्त : डी राजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

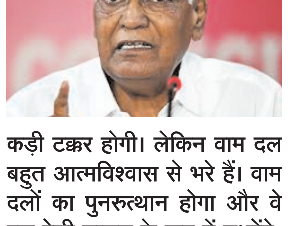

रांची/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने रविवार को जोर देकर कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल में वाम दलों के पुनरुत्थान को लेकर वह आश्वस्त हैं और वे एक ऐसी ताकत के रूप में उभरेगी, जो राज्य के राजनीतिक विमर्श को आकार देगी।

राजा ने रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, सभी जानते हैं कि पश्चिम बंगाल में कड़ी टक्कर होगी। लेकिन वाम दल बहुत आत्मविश्वास से भरे हैं। वाम दलों का पुनरुत्थान होगा और वे एक ऐसी ताकत के रूप में उभरेंगे, जो राज्य के राजनीतिक विमर्श को आकार देगी। माकपा नेता पार्टी के शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए रांची पहुंचे। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, वहां की परिस्थितियां अलग-अलग हैं।

'संजू लय में आ जाए तो वह पहले छह ओवरों में ही मैच जिता सकता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि जब संजू सैमसन अपनी फॉर्म में होते हैं तो वह पावरप्ले में ही विपक्षी टीम से मैच छीन सकते हैं। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के अंतिम चरण में सैमसन ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल में तूफानी अंदाज में अर्धशतक जड़कर भारत को रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीतने में मदद की।

अभिषेक शर्मा औरर सैमसन ने फाइनल में मिलकर पावरप्ले में 92 रन बनाए और इस तरह से न्यूजीलैंड से मैच छीन लिया। गंभीर ने कहा, ''हम जानते हैं कि संजू क्या कर सकता है। उसकी प्रतिभा और विस्फोटक बल्लेबाजी पर कभी कोई संदेह नहीं था। अगर वह लय में आ जाए तो पहले छह ओवरों में ही मैच जिता सकता है।'' सैमसन का विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और इसलिए उन्हें आईसीसी टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी। लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ करो या मरो के मैच में मौका मिलने पर सैमसन ने 15 गेंदों में 24 रन बनाकर लय हासिल की और इसके बाद तीन मैच में नाबाद 97, 89 रन और 89 रन बनाए। गंभीर ने कहा, ''मैंने उसे जिम में यह बात बताई। दरअसल हम दोनों साथ में ट्रेनिंग कर रहे थे और मैंने उसे बस इतना बताया कि तुम जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलोगे और उसने कहा,

'ठीक है।' हमारी बातचीत कुछ इसी तरह से अनौपचारिक होती है। यह किसी मुख्य कोच और खिलाड़ी के रिश्ते जैसा नहीं है। यह एक ऐसा रिश्ता है जिसमें हमारी आमने-सामने की अधिकतर बातचीत अभ्यास सत्रों के दौरान होती है।'' टीम में सैमसन की अनुपस्थिति में भारत के शीर्ष क्रम में ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा के रूप में तीन बाएं हाथ के बल्लेबाज शामिल थे। गंभीर ने जोर देकर कहा कि सैमसन को अंतिम एकादश में शामिल करने का फैसला बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन को तोड़ने के उद्देश्य से नहीं बल्कि टीम को अधिक आक्रामक ताकत देने के लिए लिया गया था। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि बहुत से लोग इस बारे में बात करेंगे कि हम शीर्ष क्रम पर मौजूद तीनों बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोंजन को तोड़ना चाहते थे, ऐसा बिल्कुल नहीं है। हम बस और अधिक आक्रामक होना चाहते थे। पिछले डेढ़ साल से हमारी मानसिकता यही रही है कि मैदान पर उतरकर हम जितना हो सके उतना आक्रामक प्रदर्शन करें।''

गंभीर ने कहा, ''संजू को टीम में लाने का कारण दूसरे छोर से ऑफ-स्पिनर को नियंत्रित करना नहीं बल्कि इस बात पर आधारित था कि क्या हम पहले छह ओवरों में और अधिक आक्रामक हो सकते हैं।'' अभिषेक टूर्नामेंट के पहले तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे लेकिन उन्होंने इसके बाद दो अर्धशतक लगाए जिनमें फाइनल में लगाया गया अर्धशतक भी शामिल है। गंभीर ने कहा, ''आईपीएल 2014 में मेरा अनुभव उससे भी बदतर रहा था जब मैं लगातार चार मैचों में शून्य पर आउट हुआ। मैंने उससे बस इतना कहा था कि लोग आपके स्कोर देखेंगे और आपकी फॉर्म के बारे में बात करेंगे, लेकिन असल में आप खराब फॉर्म नहीं हो, बस रन नहीं बना पा रहे हैं। आपकी फॉर्म का सही आकलन तभी हो सकता है जब आप 20 से 30 गेंदें खेल चुके हों और उसने अभी तक 20 गेंदें भी नहीं खेली हैं। मैं बस यही चाहता था कि वह हर अगले मैच में पिछले मैच की तुलना में अधिक आक्रामक होकर खेले।''

सड़क पर 'मुर्गा बनवाकर' पीटा, कदमों में सिर रखवाकर मंगवायी माफी : तीन आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाहजहांपुर (उप्र)/भाषा। शाहजहांपुर जिले में एक अनाज कारोबारी को बीच सड़क में ''मुर्गा बनाकर पीटने और कदमों में सिर रखवाकर माफी मंगवाने'' की घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पुवायां थाना क्षेत्र के नाहिल गांव में रहने वाले उमाशंकर गुप्ता ने शुक्रवार को शिकायत दर्ज कराकर आरोप लगाया कि उसके गांव के ही रहने वाले विवेक, मनोज उर्फ पप्पू, छुन्ने और विक्की ने उसे आठ मार्च को सड़क पर मारा-पीटा और अपशब्द कहे। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, गुप्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उसे ''जबरन मुर्गा बनवाया और उनके पैरों में सिर रखकर माफी मांगने को'' मजबूर किया। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने शिकायत में कहा है कि शुक्रवार को इन्हीं आरोपियों ने उसके कारोबारी साझेदार को भी पीटा था। द्विवेदी ने बताया कि नाहिल गांव में रहने वाले विवेक, विक्कू तथा छुन्ने को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना का 35 सेकंड का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। उमाशंकर गुप्ता ने कहा कि होली के दूसरे दिन उनके साझेदार राम बहादुर पाल के परिवार के एक सदस्य का कुछ लोगों से विवाद हो गया था। उसने कहा कि इस विवाद के बाद दर्ज कराई गई शिकायत पर पाल के परिवार के सदस्य को पुलिस ने थाने में बैठा लिया था। उसे केवल इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह उस व्यक्ति को खाना देने गया था। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 115 (2) (मारपीट करना), 352 (अपमानित करना), 351 (2) (आपराधिक धमकी) और 356(2) (प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया।

सुविचार

गुलाब की तरह बनें, जो कांटों के बीच रहकर भी अपनी खुशबू बिखेरना नहीं छोड़ता। परिस्थितियाँ कैसी भी हों, अपनी अच्छाई न त्यागें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मजबूती से खड़ा है भारत

ईरान से अमेरिका-इज़राइल की भिड़ंत के बाद देश-दुनिया में कई नेता बेसिर-पैर के बयान कुछ ज्यादा ही देने लगे हैं। उनके शब्दों से स्पष्ट होता है कि या तो उन्हें स्थिति की पर्याप्त जानकारी नहीं है या वे जानबूझकर लोगों को भ्रमित करना चाहते हैं। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का यह दावा हैरान करने वाला है कि 'केंद्र सरकार की नीतियों के कारण भारत ऐसी स्थिति में है, जहां अमेरिका यह तय करता है कि उसे आवश्यक वस्तुओं का आयात कहां से करना चाहिए और देश अमेरिका का 'गुलाम' या 'जूनियर पार्टनर' बन गया है।' वरिष्ठ नेताओं से यह उम्मीद की जाती है कि उन्हें सरकार चलाने और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जानकारी होगी। प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री जब कोई फैसला लेते हैं तो उसके दायरे में 140 करोड़ से ज्यादा देशवासी आते हैं। उनके हितों की रक्षा और भलाई को सदैव ध्यान में रखना होता है। इसके लिए विभिन्न देशों के साथ संबंधों को निभाना पड़ता है। इसके तहत कुछ शर्तें दूसरों की माननी होती हैं, कुछ शर्तें अपनी मनवानी होती हैं। साझा हितों के आधार पर दुनिया चलती है। यह सोचना भी बेबुनियाद है कि भारत किसी देश का गुलाम बन गया है। अमेरिका हर साल अरबों डॉलर कीमत का सामान भारत से आयात करता है। उसकी बड़ी-बड़ी कंपनियों के अधिकारी भारतीय मूल के लोग हैं। क्या इस आधार पर यह कह सकते हैं कि अमेरिका, भारत का गुलाम बन गया है? अमेरिका की अपनी जरूरतें हैं, भारत की अपनी जरूरतें हैं। जिसे जहां अपने हित सुरक्षित महसूस होंगे, वह वहां जाएगा। इसमें नई बात क्या है? कई लोगों की यह शिकायत है कि भारत सरकार अमेरिका-इज़राइल की (उनके द्वारा सुझाए गए शब्दों के अनुसार) कड़ी निंदा क्यों नहीं करती है? इसका जवाब बहुत आसान है- यह लड़ाई भारत ने शुरू नहीं करवाई है। दोनों पक्षों ने सिर्फ अपनी दुश्मनी देखी, लेकिन भारत सरकार को अपने 140 करोड़ से ज्यादा लोगों की भलाई देखनी है। अगर यहां ज़रा-सी समस्या हुई तो लोग प्रधानमंत्री मोदी से जवाब मांगेंगे, ट्रंप, नेतन्याहू या मोज्तबा खामेनेई से नहीं।

एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के इन शब्दों में राजनीतिक परिपक्वता का अभाव झलकता है- 'आप ट्रंप और नेतन्याहू के साथ क्यों बैठे रहे? क्या यही हमारी विदेश नीति है?' ओवैसी की तरह कई लोग यह सवाल पूछ रहे हैं- 'ईरान पर हमले शुरू होने से दो दिन पहले मोदी इज़राइल क्यों गए थे?' यह तो वही बात हुई कि आप किसी मित्र के यहां कार्यक्रम में जाएं। दो दिन बाद उसका किसी ऐसे व्यक्ति से झगड़ा हो जाए, जिसके साथ वर्षों से दुश्मनी चली आ रही थी। संयोगवश वह व्यक्ति आपका भी परिचित निकल आए! क्या इसके लिए आप जिम्मेदार हो जाएंगे? दुनिया में छोटे-बड़े संघर्ष चलते रहते हैं। वे कब भीषण सैन्य टकराव में बदल जाएंगे, इसकी सटीक भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। अगर उन देशों के साथ भारत के संबंध होंगे तो भारतीय नागरिकों के जीवन पर असर पड़ सकता है। हमें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। आज पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे देश लड़ रहे हैं, जो कल तक बहुत गहरे दोस्त नजर आते थे! रूस-यूक्रेन युद्ध चल रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति है। उन्हें आशंका है कि इससे रूस को युद्ध के लिए लगभग 10 अरब डॉलर मिल सकते हैं। जेलेंस्की अपने गलत फैसलों के लिए भारत समेत अन्य देशों को संकट में क्यों डालना चाहते हैं? अगर भारत रूसी तेल नहीं खरीदेगा तो दुनिया में ईंधन के दाम आसमान छूएंगे। जिन पश्चिमी देशों ने अमेरिका के दबाव में आकर रूस पर प्रतिबंध लगाए थे, उन्होंने ईंधन संबंधी जरूरतों पर ठीक तरह से विचार ही नहीं किया था। उन्हें भारत का आभार मानना चाहिए, जिसकी रिफाइनरियों ने कई देशों को ईंधन संकट से बचा लिया। पश्चिम एशिया में छाए गहरे संकट के बावजूद भारत मजबूती से खड़ा है और नई दृष्टि के साथ आगे बढ़ रहा है। इससे करोड़ों लोग लाभान्वित होंगे।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित 'विकसित राजस्थान रन' को आज जयपुर स्थित अमर जवान ज्योति से फ्लैग ऑफ किया। प्रदेश के चहुंमुखी विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता आज हर दौड़ते कदम में नजर आ रही है।

-भजनलाल शर्मा

राजस्थान के जयपुर और अजमेर जिलों में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 के जयपुर-किशनगढ़ खंड के फ्लाईओवर और सर्विस रोड के निर्माण सहित 6-लेन उन्नयन के लिए छ910.90 करोड़ की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है। इससे यात्रा का समय मात्र 1 घंटा रह जाएगा।

-राज्यवर्धन सिंह राठौड़

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर द्वारा प्रधानमंत्री के लिए अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया जाना अत्यंत शर्मनाक है, जिसकी मैं कड़े शब्दों में निंदा करती हूं। इस प्रकार की भाषा देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं के प्रति अनादर को दर्शाती है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

भगवान-भक्त में एकत्व की मर्यादा

लंका विजय के बाद जब श्रीराम, सीता और वानर सेना सहित अयोध्या लौटे तो वहां उनके स्वागत में भव्य भोज का आयोजन किया गया। भोज के दिन हनुमान जी ने सब वानरों के बैठने और भोजन की व्यवस्था कराई। जब सब बैठ गए तो वे प्रभु के पास पहुंचे। तब श्रीराम ने प्रेमपूर्वक कहा कि हनुमान भी उनके साथ बैठकर भोजन करें। हनुमान जी दुविधा में पड़ गए, क्योंकि वे स्वयं को प्रभु का सेवक मानते थे और प्रभु के साथ बैठकर भोजन करना उन्हें उचित नहीं लगा। प्रभु उनके मन की भावना समझ गए। उन्होंने अपने केले के पत्ते में ही मध्यमा अंगुली से एक रेखा खींच दी, जिससे वह पत्ता एक भी रहा और दो भी हो गया। एक भाग में श्रीराम ने भोजन किया और दूसरे भाग में हनुमान को कराया। इस प्रसंग में गहरा आध्यात्मिक संदेश छिपा है। प्रभु का संकेत था कि भक्त और भगवान में एकत्व भी है, जबकि हनुमान का भाव यह था कि जीव और परमात्मा के बीच सेवा और मर्यादा का संबंध है। यही द्वैत में अद्वैत का सिद्धांत हैजहां भक्ति, प्रेम और समर्पण से जीव परमात्मा के निकट पहुंचता है। यही जीवन का वास्तविक आत्मिक कल्याण है।

सामयिक

भारत की आर्थिक उड़ान और उसकी चुनौतियां

डॉ. शैलेश शुक्ला
फ़ोन नं. 93120 53330

मार्च 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था के बारे में जो आंकड़े सामने आ रहे हैं, वे निश्चित रूप से गर्व करने योग्य हैं। देश का सकल घरेलू उत्पाद वित्त वर्ष 2026 में 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है जो पिछले वित्त वर्ष के 6.5 प्रतिशत से काफी अधिक है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि 7.82 प्रतिशत दर्ज हुई। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने भी सकल घरेलू उत्पाद का आकलन पहले के 7.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया। वर्ष 2025 के मध्य में भारत जापान को पीछे छोड़कर अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। यह उपलब्धि मामूली नहीं है, यह दशकों की मेहनत, सुधारों और करोड़ों भारतीयों की उद्यमशीलता का प्रतिफल है। इस वृद्धि के पीछे कई ठोस कारण हैं। विनिर्माण क्षेत्र ने 13.3 प्रतिशत की अभूतपूर्व दर से वृद्धि की जो पिछले कई वर्षों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। निर्माण क्षेत्र 6.57 प्रतिशत की दर से बढ़ा, सेवा क्षेत्र 5 से 11 प्रतिशत के बीच रहा। निजी उपभोग और निवेश दोनों ही वृद्धि के मुख्य चालक बने रहे। भारतीय रिजर्व बैंक ने दिसंबर 2025 में रेपो दर 25 आधार अंक घटाकर 5.25 प्रतिशत की जो उपभोक्ता खर्च और ऋण वृद्धि के लिए अनुकूल रहा। महंगाई दर के मोर्चे पर भी राहत रही – उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई जो ठ्ङख के लक्ष्य 4 प्रतिशत से बहुत कम है। गोल्डमैन सैक्स ने 2026 के लिए 6.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान दिया है जो वैश्विक औसत अनुमान से ऊपर है।

व्यापार समझौतों की सफलता और नई संभावनाएं

वर्ष 2026 में भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मोर्चे पर भी आई। फरवरी 2026 में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की घोषणा हुई जिसमें भारतीय निर्यात पर 'पारस्परिक' शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया गया। गोल्डमैन सैक्स के अनुसार इससे सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि में लगभग 0.2 प्रतिशत अंक का अतिरिक्त लाभ होगा। इससे भी बड़ी बात यह है कि जनवरी 2026 में भारत और यूरोपीय संघ ने 20 साल की लंबी बातचीत के बाद एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति जताई जिसे 'सौदों की जननी' कहा जा रहा है। यह समझौता 2027 की शुरुआत में प्रभावी होने की उम्मीद है और इसके तहत 90 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर शुल्क घटाए जाएंगे या समाप्त किए जाएंगे। शराब, खाद्य उत्पाद, मशीनरी, रसायन, विमान और चिकित्सा उपकरण जैसे यूरोपियन यूनियन के प्रमुख निर्यात क्षेत्रों में भारत में बाजार पहुंच बढ़ेगी जबकि यूरोपियन यूनियन भारतीय वस्त्र और रसायनों को आसान प्रवेश देगा।

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में बैंकिंग प्रणाली में 6.3 लाख करोड़ रुपये (लगभग 70 अरब डॉलर) की तरलता डाली जिससे ऋण वृद्धि में सुधार की उम्मीद है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकारी पूंजी व्यय की गति बनाए रखने का प्रयास जारी है। डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत का सार्वजनिक क्लाउड सेवा बाजार 2026 तक 13 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है जो 2021-26 के बीच 23.1 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा है। डेटा सेंटर क्षमता में भी भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अग्रणी बन गया है।डिजिटलीकरण और औपचारिकीकरण की प्रक्रिया से सकल घरेलू उत्पाद आंकड़ों की विश्वसनीयता भी बढ़ रही है।सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जनवरी 2026 में सकल घरेलू उत्पाद श्रृंखला में सुधार किए और आधार वर्ष 2012 से बदलकर वित्त वर्ष 2023 किया।

चुनौतियां जो अनदेखी नहीं की जा सकतीं

हालांकि इस तेज वृद्धि के बीच कुछ गंभीर चुनौतियां भी हैं जिन्हें नजरअंदाज करना भारत की भविष्य की राह के लिए खतरनाक होगा। सबसे पहली चुनौती रुपये की कमजोरी है। वर्ष 2025 में रुपया एशिया की सबसे कमजोर मुद्राओं में शामिल था क्योंकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से करीब 19 अरब डॉलर निकाल लिए। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अध्ययन ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद आंकड़ों को 'उ ग्रेड' दिया था जो आंकड़ों की सटीकता पर सवाल उठाता है – हालांकि नए सकल घरेलू उत्पाद सीरीज से इस समस्या का समाधान होने की उम्मीद है। कृषि क्षेत्र में वृद्धि महज 1.42 प्रतिशत रही जो ग्रामीण खपत और आजीविका के लिए चिंताजनक है। चालू खाता घाटा 2025 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद के 2.8 प्रतिशत तक पहुंच गया जो पिछली तिमाही के 1.3 प्रतिशत से काफी अधिक है।

ईरान-इजराईल-अमेरिका युद्ध के कारण तेल की बढ़ती कीमतें भारत के लिए एक नई मुसीबत बनकर सामने आई हैं। भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करना पड़ता है और 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर का तेल देश के व्यापार घाटे, सरकारी वित्त और आम आदमी की जेब सभी पर असर डालेगा। इसके अलावा अमेरिकी टैरिफ का दबाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, वस्त्र, समुद्री उत्पाद, रत्न-आभूषण, वाहन पुर्जे और चमड़ा जैसे क्षेत्रों में निर्यात प्रभावित हुए हैं। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की अर्थशास्त्री अनुभूति सहाय का कहना है कि जब तक वैश्विक ब्याज दरें अन्य देशों में 4-4.5 प्रतिशत पर बनी रहेंगी, विदेशी पूंजी प्रवाह भारत के लिए एक चुनौती रहेगा। देश में व्यापार करने की सरलता और गति में सुधार अभी और जरूरी है। तमाम चमक-दमक के बावजूद भारत की वृद्धि गाथा तभी स्थायी बनेगी जब यह वृद्धि खेत-खलिहान और झुग्गी-बस्ती तक भी पहुंचे।

नजरिया

सोनम वांगचुक की जेल यात्रा ने उन्हें एक क्षेत्रीय नेता से ऊपर उठाकर एक राष्ट्रीय प्रतीक बना दिया है। आज देश का युवा वर्ग उन्हें एक ऐसे नायक के रूप में देख रहा है जो सत्ता के सामने सच बोलने का साहस रखता है। उनकी रिहाई के बाद लेह और कारगिल की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब इस बात का गवाह है कि वे अब केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार बन चुके हैं।

सोनम वांगचुक और लद्दाख के स्वायत्तता का भविष्य

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

केंद्र सरकार ने हाल ही में लद्दाख के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरणविद सोनम वांगचुक पर लगे राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। जोधपुर जेल में 170 दिनों की हिरासत के बाद उनकी रिहाई ने न केवल लद्दाख के आंदोलन को नई ऊर्जा दी है, बल्कि पूरे क्षेत्र के बदलते राजनीतिक परिदृश्य पर गहन बहस छेड़ दी है। यह घटना 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसक घटना से जुड़ी है, जहां राज्यहेव की मांग को लेकर प्रदर्शन भड़क उठे थे और चार लोगों की मौत हो गई थी। वांगचुक की रिहाई केंद्र और स्थानीय आंदोलनकारियों के बीच संवाद की संभावना को मजबूत करती दिखती है, लेकिन लद्दाख की लंबे समय से चली आ रही मांगें पूर्ण राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची में शामिल होना, अलग लोक सेवा आयोग और संसदीय सीटें अभी भी अनसुलझी हैं।

इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए हमें थोड़ा पीछे मुड़कर देखना होगा। सोनम वांगचुक कोई पेशेवर राजनेता नहीं रहे हैं, बल्कि उनकी पहचान एक ऐसे नवप्रवर्तक और शिक्षा सुधारक की रही है जिसने लद्दाख की बंजर भूमि पर 'आइस स्टूपा' जैसे कृत्रिम हिमनद बनाकर दुनिया को जल संरक्षण का एक नया रास्ता दिखाया। 1966 में जन्मे इस इंजीनियर ने लद्दाख की कठिन भौगोलिक और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच शिक्षा क्रांति ला दी। 1988 में उन्होंने स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) की स्थापना की, जो स्थानीय भाषा-संस्कृति पर आधारित शिक्षा प्रदान करता है। यह कैंपस पूरी तरह सौर ऊर्जा पर चलता है और जीवाश्म ईंधन से मुक्त है, जो वांगचुक की पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने आइस स्टूपा-कृत्रिम हिमनद-का आविष्कार किया, जो सूखाग्रस्त इलाकों में पानी संरक्षण का अनूठा तरीका है। रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता वांगचुक को फिल्म '3 इडियट्स' के फुंसुक वांगड़ू किरदार के लिए भी जाना जाता है। लेकिन 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बनने पर उनकी भूमिका बदल गई। अनुच्छेद 370 और 35- के खात्मे से स्थानीय लोग अपनी भूमि, नौकरियों और सांस्कृतिक पहचान पर खतरे की घंटी बजा रहे थे। वांगचुक ने तब से शांतिपूर्ण आंदोलन शुरू किया अनशन, पदयात्रा और दिल्ली मार्च-जिसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) उनके साथ थे।

सितंबर 2025 का वह दिन लद्दाख के आधुनिक इतिहास का सबसे काला अध्याय माना जाएगा, जब लेह की सड़कों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किए जाने की मांग को लेकर हजारों की भीड़ जब प्रशासन से टकराई, तो हुई हिंसा में चार जानें चली गईं।

यह वह बिंदु था जहाँ से सरकार ने अपनी रणनीति बदली और सोनम वांगचुक को इस अशांति का सूत्रधार मानते हुए उन पर एनएसए लगा दिया गया। किसी ऐसे व्यक्ति पर, जिसने जीवन भर अहिंसा और गांधीवादी मूल्यों का प्रचार किया हो, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा होने का आरोप लगाना पूरे देश में बहस का विषय बन गया। जोधपुर जेल की कालकोठरी में बिताए गए उनके 170 दिन लद्दाख के लोगों के लिए एक भावनात्मक घाव बन गए, जिसने आंदोलन को और अधिक संगठित और धारदार बना दिया।

लद्दाख का मुद्दा केवल राजनीतिक अधिकारों तक सीमित नहीं है, इसके पीछे छिपी है वह पर्यावरणीय चिंता जो पूरे भारतीय उपमहाद्वीप के भविष्य को प्रभावित कर सकती है। हिमालय जिसे 'तीसरा ध्रुव' कहा जाता है, आज जलवायु परिवर्तन की मार सबसे ज्यादा झेल रहा है। वांगचुक का तर्क हमेशा से यह रहा है कि यदि लद्दाख को संवैधानिक सुरक्षा नहीं मिली, तो यहाँ होने वाला अनियंत्रित औद्योगिक विस्तार और अंधाधुंध पर्यटन यहाँ के ग्लेशियरों को निगल जाएगा। यह एक विडंबना ही है कि जो व्यक्ति देश के जल स्रोतों को बचाने की गुहार लगा रहा था, उसे ही 'राष्ट्रीय सुरक्षा' के लिए खतरा घोषित कर दिया गया। जबकि सच तो यह है कि हिमालय की सुरक्षा ही भारत की वास्तविक सुरक्षा है। यदि ये पहाड़ और उनकी नदियाँ सूख गईं, तो मैदानों की खुशहाली स्वतः ही समाप्त हो जाएगी।

रणनीतिक दृष्टि से भी लद्दाख का महत्व सर्वोपरि है। चीन और पाकिस्तान के साथ सटी सीमाओं के कारण यह क्षेत्र हमेशा से सैन्य गतिविधियों का केंद्र रहा है। यहाँ भारतीय सेना की विशाल उपस्थिति है और बुनियादी ढांचे का विकास राष्ट्रहित में आवश्यक है। लेकिन क्या यह विकास स्थानीय लोगों की सहमति और उनकी संस्कृति की कीमत पर होना चाहिए? वांगचुक और उनके समर्थक इसी संतुलन की मांग कर रहे हैं। वे सेना के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि वे चाहते हैं कि लद्दाख का विकास 'दिल्ली मॉडल' पर नहीं बल्कि 'लद्दाख मॉडल' पर हो, जहाँ भूमि और संसाधनों पर पहला हक वहां के मूल निवासियों का हो। पूर्व सैनिकों और स्थानीय युवाओं का इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना यह दर्शाता है कि यहाँ देशभक्ति और क्षेत्रीय पहचान एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि पूरक हैं।

मार्च 2026 में उनकी रिहाई के पीछे कई कारण हो सकते हैं। शायद सरकार ने यह महसूस किया कि लद्दाख जैसे संवेदनशील क्षेत्र में जनता का असंतोष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि को नुकसान पहुँचा सकता है, या फिर यह आने वाले समय में होने वाली किसी बड़ी वार्ता की पूर्वपीठिका है। जो भी हो, इस रिहाई ने लद्दाख के जनमानस में एक नई ऊर्जा भर दी है। अब सवाल यह उठता है कि क्या सरकार केवल रिहाई तक सीमित रहेगी या वह उन मूल मांगों पर भी विचार करेगी जिनके लिए यह सारा संघर्ष शुरू हुआ था? छठी अनुसूची में शामिल होने का मतलब केवल आरक्षण नहीं है, बल्कि यह उस गौरव और स्वाभिमान की सुरक्षा है जो लद्दाख के लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ता है।

सोनम वांगचुक की जेल यात्रा ने उन्हें एक क्षेत्रीय नेता से ऊपर उठाकर एक राष्ट्रीय प्रतीक बना दिया है। आज देश का युवा वर्ग उन्हें एक ऐसे नायक के रूप में देख रहा है जो सत्ता के सामने सच बोलने का साहस रखता है। उनकी रिहाई के बाद लेह और कारगिल की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब इस बात का गवाह है कि वे अब केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार बन चुके हैं। यह विचार है पर्यावरण आधारित विकास और लोकतांत्रिक स्वायत्तता का। सरकार के लिए भी यह एक अवसर है कि वह लद्दाख के साथ अपने संबंधों को पुनः परिभाषित करे। दमन के बजाय विश्वास बहाली के उपाय ही इस सीमावर्ती क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित कर सकते हैं।

अंततः, यह घटनाक्रम हमें लोकतंत्र की उस बुनियादी ताकत की याद दिलाता है जहाँ असहमति की आवाज़ को दबाने के हर प्रयास के बाद वह और अधिक मजबूती से उभरती है। लद्दाख की बर्फीली हवाओं में अब जो गर्माहट महसूस की जा रही है, वह किसी बदले की नहीं बल्कि अपने हक़ की है। सोनम वांगचुक का बाहर आना संवाद के बंद पड़े दरवाजों को फिर से खोलने की एक कोशिश है। यदि अब भी सही दिशा में कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाला समय और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। लद्दाख के इस संघर्ष ने पूरे देश को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या हम विकास की दौड़ में अपनी पहचान और प्रकृति को पीछे छोड़ने के लिए तैयार हैं? वांगचुक की रिहाई इस लंबे संघर्ष का अंत नहीं, बल्कि उस नए अध्याय की प्रस्तावना है जिसमें हिमालय की सुरक्षा और लद्दाख के अधिकारों की इबारत लिखी जानी अभी बाकी है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोशल मीडिया पोस्ट में रैपर 'बादशाह' को जान से मारने की धमकी

चंडीगढ़/भाषा। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कथित सहयोगियों से जुड़ी एक अपुष्ट पोस्ट रविवार को सोशल मीडिया पर सामने आई, जिसमें रैपर-संगीतकार 'बादशाह' को जान से मारने की धमकी दी गई है।

'बादशाह' के नाम से लोकप्रिय आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया अपने नए हरियाणवी गीत 'टटीरी' के जारी होने के बाद विवादों में घिर गए हैं। गीत के कथित अश्लील बोल और अनुचित दृश्यों को लेकर उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है और राज्य महिला आयोग ने उन्हें तलब किया है।

फेसबुक पर सामने आई कथित पोस्ट में आरोप लगाया गया कि रैपर ने हरियाणा की संस्कृति को खराब करने की कोशिश की है।

पोस्ट में लिखा है, गायक 'बादशाह', तूने हरियाणा की संस्कृति को खराब करने की कोशिश की है। 2024 में तेरे क्लब में तुझे ट्रेलर दिखाया था, अगली बार तेरे माथे में गोली मारेंगे। इस अपुष्ट पोस्ट में नवंबर 2024 में चंडीगढ़ के सेक्टर-26 क्षेत्र में बादशाह के बार-सह-लाउंज के बाहर हुए विस्फोट का भी जिक्र किया गया है। इस बीच, हरियाणा राज्य महिला आयोग ने शुक्रवार को बादशाह को गिरफ्तार करने के आदेश जारी किए, क्योंकि वह अपने हाल में जारी संगीत वीडियो में कथित आपत्तिजनक बोल और दृश्यों के मामले में तय समयसीमा तक आयोग के समक्ष पेश नहीं हुए।

बादशाह ने हाल में अपने आधिकारिक 'इंस्टाग्राम हैंडल' पर एक वीडियो साझा कर कहा था कि यदि उनके नए गीत से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो उन्हें खेद है।रैपर को 13 मार्च को आयोग के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था।आयोग का कहना है कि इस गीत में हरियाणा की बेटियों का अनुचित शब्दों और भाषा के जरिए अपमान किया गया है।इस मामले में पंचकूला और जींद में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है।पंचकूला पुलिस ने 'बादशाह' को देश छोड़कर जाने से रोकने के लिए उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी करने की प्रक्रिया भी शुरू की है।पुलिस ने 'बादशाह' को तत्काल पेश होने का निर्देश देते हुए औपचारिक नोटिस भी जारी किया है।हरियाणा पुलिस ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस की कई टीम गठित की गई हैं और संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।पंचकूला पुलिस ने छह मार्च को एक स्थानीय निवासी की शिकायत के आधार पर 'बादशाह' के हाल में जारी संगीत वीडियो में कथित आपत्तिजनक बोल और दृश्यों के इस्तेमाल को लेकर विभिन्न कानूनी प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी।रैपर के खिलाफ स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिनिषेध) अधिनियम, 1986 की धारा 3 और 4 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296 (अश्लील कृत्य और गीत) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मांग

इंफाल पूर्व में प्रदर्शनकारियों ने कोइरेंगेई एयरफील्ड के संरक्षण की मांग को लेकर ऐतिहासिक हवाई अड्डे पर धरना दिया। 'कैंपेन फॉर प्रोटेक्शन एंड प्रिजर्वेशन ऑफ कोइरेंगेई एयरफील्ड' द्वारा आयोजित इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य विकास परियोजनाओं के बीच इस ऐतिहासिक स्थल को बचाना है।

मेडिकल चेकअप

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जोधपुर सेंट्रल जेल से रिहा होने के बाद अपनी पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो के साथ दिल्ली के एक अस्पताल में मेडिकल चेकअप के लिए देखा गया। उनके खिलाफ रासुका के तहत की गई हिरासत को रद्द कर दिया गया है।

'अम्बे है मेरी मां' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह लंबे समय के बाद एक बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अम्बे है मेरी मां' लेकर आ रही हैं। फिल्म में अक्षरा मुख्य भूमिका में हैं जबकि पाखी हेगड़े मां अम्बे के रूप में नजर आएंगी। शुक्रवार को मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। इस फिल्म के जरिए निर्देशक ने दहेज प्रथा और दिन-ब-दिन लड़के वालों की मांग को पूरा करने पर लड़की के साथ चलते आ रहे बुरे बर्ताव पर केंद्रित किया गया है। फिल्म की कहानी एक ऐसी लड़की पर केंद्रित है, जिसकी अटूट भक्ति की वजह से मां अम्बे उसका कभी साथ नहीं छोड़ती हैं। 4 मिनट 52 सेकंड का ट्रेलर काफी प्रभावशाली है। ट्रेलर की शुरुआत अक्षरा के बचपन से होती है, जहां उसके चाचा-चाची उससे घर के सारे काम करवाने के बावजूद अच्छा खाना तक नहीं देते हैं लेकिन वह मां अम्बे की भक्ति में डूबी रहती है, जिस वजह से मां अम्बे उसकी मदद करती हैं और खाना देती हैं।

कहानी थोड़ी आगे बढ़ती है और अक्षरा बड़ी होती है, जहां उसकी शादी की बातें चलती हैं और एक दिन शादी का रिश्ता आता है, जिसके बाद वह मां अम्बे के पास जाती है और उनसे कहती है कि आप शादी में जरूर आना, जिसके बाद मां अम्बे मौसी के रूप में प्रकट होकर आती हैं। हालांकि, शादी के बाद ससुराल वालों को पता चलता है कि लड़की के साथ दहेज में कुछ नहीं आया है। इससे गुस्साए ससुरालवाले अक्षरा को घर से निकाल देते हैं। दुखी अक्षरा मां अम्बे के पास जाती है और अपनी व्यथा

सुनाती है। तब मां अम्बे चमत्कार दिखाती हैं और ससुराल का घर दहेज से भर देती हैं।

जब ससुराल वालों को पता चलता है कि अक्षरा की 'मौसी' धनी हैं, तो वे और अधिक रुपये-चीजों की मांग करते हैं। जब अक्षरा मना कर देती है, तो वे उसे मारपीट करते हैं। यह सब देख मां अम्बे क्रोधित होकर उन्हें सबक सिखाती हैं और दहेज प्रथा की बुराई को उजागर करती हैं। ट्रेलर देखकर पता चलता है कि इस फिल्म की कहानी पुरानी हिंदी फिल्मों की तरह है, जिसमें देवी-भक्ति, पारिवारिक ड्रामा और नैतिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। प्रवीण कुमार गुडूरी द्वारा निर्देशित फिल्म में अक्षरा और पाखी के अलावा, राकेश बाबू, देव सिंह, प्रेम दुबे, विद्या सिंह, रामसुजान सिंह, निशा सिंह, निशा तिवारी, इन्द्रसेन सिंह, सुवेश, प्रीति राज, मंटू, राहुल शर्मा, प्रिया पारुल, शीतल यादव, प्रिया चौधरी और बाल कलाकार के रूप में स्वस्तिका राय, गुनगुन नजर आएंगी। हालांकि, मेकर्स ने फिल्म के रिलीज होने की कोई खास जानकारी नहीं दी है।

नेपाल में भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त होने से सात लोगों की मौत

काठमांडू/भाषा

नेपाल के मध्य क्षेत्र में भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक यात्री बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से सात लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।यह घटना शनिवार को नेपाल के गंडकी प्रांत में हुई।पुलिस के अनुसार, तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस मनकामना मंदिर से लौट रही थी तभी गोरखा जिले में सड़क से नीचे गिर गई।गोरखा जिले के जिला यातायात पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज आर्यल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं और ये सभी भारतीय नागरिक हैं।जिला पुलिस कार्यालय प्रमुख भरत बहादुर बीके के अनुसार, पीड़ितों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामलिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलारसी (60) के रूप में की गई है।'काठमांडू पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, सात अन्य घायल यात्रियों को बचा लिया गया है और उनका आंबुखैरेनी के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।'हिमालयन टाइम्स' के अनुसार, इलेक्ट्रिक बस का चालक बाल-बाल बच गया, जबकि उसका सहायक इस घटना में घायल हो गया।

रिलीज से पहले विवादों में घिरी 'धुरंधर द रिवेंज', सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का लगा आरोप

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह, आर माधवन और संजय दत्त स्टारर फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 18 मार्च को फिल्म का पेड-प्रीव्यू रखा गया है, लेकिन रिलीज होने से पहले ही फिल्म विवादों में घिरती नजर आ रही है। सिख समुदाय ने फिल्म में रणवीर सिंह के किरदार पर सवाल उठा दिए हैं। उनका कहना है कि फिल्म में सिख समुदाय की छवि को खराब करने की कोशिश की जा रही है। महाराष्ट्र के एक सामाजिक कार्यकर्ता विक्की थॉमस सिंह ने फिल्म के प्रोड्यूसर-डायरेक्टर और सिख का कैरेक्टर निभाने वाले एक्टर रणवीर सिंह के खिलाफ सीबीएफसी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को लीगल नोटिस दिया है। नोटिस में कहा गया है कि सिख समुदाय तंबाकू नहीं खाता है और सिख धर्म में तंबाकू

और धूम्रपान का सख्त निषेध है। ऐसे में फिल्म में इस तरह का सीन दिखाना न केवल धार्मिक रूप से असंवेदनशील है, बल्कि ये पूरे सिख समुदाय की आस्था का अपमान भी है। विक्की थॉमस सिंह का कहना है कि फिल्म से सिख को धूम्रपान करते दिखाने वाले सभी दृश्य तुरंत हटाए जाएं। साथ ही फिल्म से जुड़े पोस्टर, ट्रेलर और अन्य प्रचार सामग्री से भी ऐसे दृश्य हटाए जाएं।नोटिस में फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' से ईशनिंदात्मक, आपत्तिजनक और धार्मिक रूप से असंवेदनशील सामग्री को तत्काल हटाने के लिए कहा गया है और सिख समुदाय से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए भी कहा गया है, क्योंकि फिल्म में ऐसे दृश्य और प्रचार सामग्री शामिल हैं, जो सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गंभीर रूप से आहत करते हैं।फिल्म में रणवीर सिंह ने जसकीरत सिंह रंगी नाम के काल्पनिक जासूस का रोल प्ले किया है, जो हमजा अली बनकर पाकिस्तान में मौजूद दुश्मनों के बीच रहकर उनकी जानकारी भारत को देता है। फिल्म के पहले पार्ट में दिखाया गया था कि जसकीरत सिंह रंगी एक कैदी है, जिसे प्रशिक्षित करने के बाद भी पाकिस्तान भेजा गया। अब फिल्म के दूसरे पार्ट में जसकीरत सिंह रंगी की जिंदगी से जुड़े कई राज खुलने वाले हैं।

करण जौहर ने 'सूबेदार' को बताया शानदार

मुंबई/एजेन्सी

एक्शन-ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' ओटीटी रिलीज के बाद काफी चर्चा में है। हर कोई अनिल कपूर के एक्शन अवतार और फिल्म की कहानी की जमकर तारीफ कर रहा है। अब इस कड़ी में फिल्ममेकर करण जौहर का नाम जुड़ गया है। करण जौहर ने शनिवार को इंस्टाग्राम के जरिए अनिल कपूर के काम की जमकर सराहना की। उन्होंने अनिल कपूर के एक्शन अवतार की तस्वीर शेयर की। इसके साथ ही करण जौहर ने लिखा, मैं इस शानदार और दमदार फिल्म को देखने के लिए देर से पहुंचा था। क्या कमाल की फिल्म है और अनिल कपूर ने कितनी मजेदार और शानदार परफॉर्मेंस दी है कि वह सच में कमाल हैं। इसी के साथ करण ने पूरी स्टार कास्ट की जमकर सराहना करने के साथ बधाई भी दी। करण ने लिखा, पूरे कास्ट, सुरेश और प्राइम वीडियो को इतनी बेहतरीन और शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई।

सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित एक्शन और ड्रामा से भरपूर फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर के अलावा, राधिका मदान, मोना सिंह, अदित्य रावल और सौरभ शुक्ला जैसे मंझे हुए कलाकार अहम किरदार में हैं।एक्शन-ड्रामा फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर ने अर्जुन मौर्य नाम के रिटायर्ड फौजी का किरदार निभाया है, जो स्थानीय रेत माफिया और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी बेटी (राधिका मदान) के साथ मिलकर जंग लड़ता है। यह एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म है, जो अपनी दमदार एक्टिंग के लिए चर्चा में है।फिल्म की कहानी एक रिटायर्ड सूबेदार अर्जुन मौर्य की है, जो अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद बेटी श्यामा (राधिका मदान) के साथ रिश्ते सुधारने और शांतिपूर्ण जीवन के लिए घर लौटता है, लेकिन स्थानीय रेत माफिया के आतंक और अपनी कार को हुए नुकसान के बाद वह उनके खिलाफ खड़ा हो जाता है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है, जिसकी हर जगह सराहना हो रही है।

समीरा रेड्डी की ज़िंदगी का स्पेशल गेस्ट बना 'एलपीजी सिलेंडर'

मुंबई/एजेन्सी

इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर भारत में देखने को मिल रहा है, जहां घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ लोग 28 दिन में एक सिलेंडर की बुकिंग ही कर पा रहे हैं। ऐसे में कई जगहों पर लोगों को घरेलू सिलेंडर के लिए लंबी लाइनों में लगना पड़ रहा है लेकिन इसी बीच 'मैंने दिल तुझको दिया' की अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने ऐसा वीडियो शेयर किया है, जिसमें सिलेंडर को वीआईपी गेस्ट की तरह ट्रीट किया जा रहा है। देश में एलपीजी सिलेंडर को लेकर बनी स्थिति के बीच समीरा रेड्डी ने ऐसा वीडियो शेयर किया है, जिसे देखने के बाद हंसी आना तय है लेकिन यह देश के हालात पर तंज भी है। अभिनेत्री द्वारा शेयर किए गए वीडियो में एलपीजी सिलेंडर का स्वागत रेड कार्पेट पर किया जा रहा है और उसे ताज भी पहना रखा है।

अभिनेत्री सिलेंडर की आवभगत में चाय भी पेश करती हैं और गुलाब से उसका स्वागत करती है। वीडियो देखकर साफ है कि अभिनेत्री भी काफी समय से घर में घरेलू सिलेंडर का इंतजार कर रही थी लेकिन अब जाकर उनके घर एलपीजी का आगमन हुआ है।

अभिनेत्री के फनी वीडियो को फैंस भी पसंद कर रहे हैं और उनका कहना है कि कैसे-कैसे दिन देखने को मिल रहे हैं। इतना ही नहीं, यूजर्स ने एलपीजी का नया फुल फॉर्म भी ईजाद कर लिया है, जो है 'वेरी इम्पोर्टेड पेट्रोलियम'। वीडियो भले ही मजाक के अंदाज में बनाया गया है लेकिन यह पूरे देश में चल रहे हालात को दिखाता है। केंद्र सरकार का कहना है कि देश में एलपीजी गैस की किल्लत नहीं है लेकिन कमर्शियल सिलेंडर के बैन के बाद से कई राज्यों में पैनिक की स्थिति है। गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद कई राज्यों में लोगों को गैस एजेंसी के बाहर लंबी लाइनों में लगते हुए देखा जा रहा है। गैस की बुकिंग की अवधि को भी बढ़ा दिया गया है। अब 28 दिनों की अवधि में एक ही घरेलू सिलेंडर की बुकिंग की जा सकती है।

फिल्म 'नया दौर' से प्रेरित नहीं है 'लगान' : गोवारिकर

मुंबई/भाषा। फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर ने कहा कि उनकी फिल्म 'लगान' अभिनेता दिलीप कुमार की फिल्म 'नया दौर' से प्रेरित नहीं है बल्कि इसका विचार लोकप्रिय 'एस्टेरिक्स कॉमिक्स' से मिलता-जुलता है।

आमिर खान अभिनीत यह फिल्म आशा, साहस और अन्याय के खिलाफ संघर्ष जैसे विषयों पर आधारित है। इसकी कहानी मध्य भारत के एक छोटे से गांव के इर्द-गिर्द घूमती है जहां ब्रिटिश सेना का एक घमंडी अधिकारी भारी कर लगा देता है। इसके बाद गांव वालों को कर से राहत पाने के लिए क्रिकेट मैच खेलने की चुनौती दी जाती है।

गोवारिकर ने कहा कि उनकी फिल्म 'लगान' अभिनेता दिलीप कुमार अभिनीत 'नया दौर' (1957) से प्रेरित नहीं है।

बी आर चोपड़ा द्वारा निर्देशित 'नया दौर' की कहानी शंकर (दिलीप कुमार) नामक एक जोशीले तांगावाले के इर्द-गिर्द घूमती है जो ग्रामीण मजदूरों की आजीविका बचाने के लिए व्यापारी कुंदन के खिलाफ संघर्ष करता है। यह संघर्ष अंततः एक तांगा और बस के बीच रोमांचक दौड़ में बदल जाता है।

गोवारिकर ने शुक्रवार शाम 'रेड लॉरी फिल्म महोत्सव' में 'लगान' के प्रदर्शन के बाद कहा, यह एक मिथक है। मैं नया दौर से प्रेरित नहीं था और मैंने वह फिल्म देखी भी नहीं थी। मैं अपने बचपन की यादों के आधार पर यह कहानी लिख रहा था।

फिल्म 'लगान' इस साल जून में 25 वर्ष पूरे करेगी। निर्देशक ने बताया कि दिवंगत बीआर चोपड़ा को 'लगान' बहुत पसंद आई थी। गोवारिकर ने कहा कि जब उन्होंने बाद में 'नया दौर' फिल्म देखी तो दोनों फिल्मों में आधुनिकीकरण से निपटने के तरीकों में समानताएं दिखाई दीं।

फिल्म निर्माता का कहना था कि उनकी फिल्म 'लगान' एक फ्रांसीसी कॉमिक शृंखला से अधिक मेल खाती है। उन्होंने कहा, एस्टेरिक्स ही हमारी मुख्य प्रेरणा थी क्योंकि इसमें एक छोटा सा गांव, रोमन साम्राज्य से लड़ता है और यहां (फिल्म में) एक छोटा भारतीय गांव ब्रिटिश साम्राज्य से संघर्ष करता है। इसी वजह से फिल्म ने फ्रांस में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

फ्रांसीसी कॉमिक शृंखला 'एस्टेरिक्स' एक गॉलिश गांव की कहानी है जो शक्ति बढ़ाने वाली जादुई औषधि की मदद से जूलियस सीजर की रोमन सेना का विरोध करता है।

फिल्म 'लगान' में ग्रेसी सिंह, रेचल शेली, सुहासिनी मुले, कुलभूषण खरबंदा सहित कई कलाकारों ने काम किया है।

महक चहल ने शतरंज की बाजी की तरह जिंदगी में भी जीतने की दी सीख

मुंबई/एजेन्सी

मनोरंजन जगत में सोशल मीडिया अब सिर्फ तस्वीरें पोस्ट करने का जरिया नहीं रह गया है बल्कि सितारे इसके जरिए अपने विचार, अनुभव और जिंदगी के नजरिए भी लोगों के साथ साझा करते रहते हैं। इस कड़ी में शुक्रवार को अभिनेत्री महक चहल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक ऐसी ही तस्वीर साझा की है जिसने उनके फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस पोस्ट में वह शतरंज खेलती नजर आ रही हैं और इसके साथ ही उन्होंने जिंदगी को लेकर एक दिलचस्प बात लिखी है। महक चहल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह शतरंज की बिसात के सामने बैठी नजर आ रही हैं। तस्वीर में उनका अंदाज काफी शांत दिखाई दे रहा है, जैसे वह अगली चाल के बारे में गहराई से सोच रही हों। शतरंज की बिसात पर मोहरे सजे हुए हैं और महक उन्हें ध्यान से देखती नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'जिंदगी काफी हद तक शतरंज की तरह है। कुछ चालें जीत दिलाती हैं, कुछ से आप सीखते हैं। दोनों ही तरह से, यह सब खेल का हिस्सा है।'

महक चहल के इस पोस्ट पर फैंस अपनी ओर से खूब प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई लोगों ने उनके इस संदेश को प्रेरणादायक बताया। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, 'वाह, क्या बात कही है, जिंदगी सच में शतरंज की तरह ही होती है।' एक अन्य फैन ने लिखा, 'यह सिर्फ शतरंज नहीं, लाइफ की बड़ी सीख है।' एक अन्य फैन ने लिखा, 'हार भी जरूरी है, तभी जीत की कीमत समझ आती है।' महक चहल ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2002 में तेलुगु फिल्म 'नीथो' से की थी। इसके बाद उन्होंने 2003 में हिंदी फिल्म 'नई पड़ोसन' से बॉलीवुड में कदम रखा, जिससे उन्हें पहचान मिली। आगे चलकर वह कई हिंदी, पंजाबी और दक्षिण भारतीय फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ कई लोकप्रिय गानों में भी डांस परफॉर्मेंस दी। 2009 में वह सलमान खान की फिल्म 'वॉन्टेड' में दिखाई दीं। टेलीविजन पर उन्होंने रियलिटी शो 'बिग बॉस 5' में हिस्सा लेकर खास लोकप्रियता हासिल की, जहां वह रनर-अप रहीं। बाद में उन्होंने 'फीयर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 11' में भी भाग लिया। वहीं 'नागिन 6' में अहम किरदार निभाया।

समाज सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर द्वारा रविवार को 'विकास स्पेशल स्कूल फॉर इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी चिल्ड्रन' केन्द्र में सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। सिलाई मशीन वितरण का उद्देश्य व्यावसायिक प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करना तथा संस्था से जुड़े लोगों को कौशल विकास और आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान करना है। इस समाजसेवा कार्यक्रम में चेयरमैन विजयराज सिसोदिया, सलाहकार रमेश दक, अक्षय दक सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

स्वयंसेवकों ने वृद्ध महिलाओं के साथ मनाया महिला दिवस, किया सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय विजय संभव फाउंडेशन ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को असहाय वृद्ध महिलाओं के लिए आश्रयगृह में सामाजिक पहल का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वृद्ध महिलाओं के बीच अपनापन, सम्मान और साथ का अहसास कराना था। कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं के लिए विशेष भोजन प्रायोजित कर स्वयं परोसा और वहाँ रह रही महिलाओं को कपड़े भेंट किए। सदस्यों ने महिलाओं ने साथ समय बिताया, बातचीत की और खुशियों के कुछ यादगार पल साझा किए। इससे पहले फाउंडेशन द्वारा यहाँ एक नेत्र जाँच शिविर भी आयोजित किया गया था, जिसमें 160 से अधिक लाभार्थियों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए तथा रक्तचाप, शुगर और बीएमआई की जाँच भी की गई। स्वयंसेवकों में रवि राजहंस, सोनल आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक के अवसर पर जीवदया गौशाला, होसकोटे में ज्ञानोदय जैन समाज, तुबरहल्ली के सदस्यों ने गौमाता की सेवाकार्य का पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने गौशाला में जाकर गायों को केला, ककड़ी एवं चारा खिलाया। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में करूणा, सेवा और संस्कार की भावना को बढ़ावा देना था। इस सेवा कार्य में भाग लेने वालों ने चमड़े के उपयोग के त्याग का संकल्प लिया।

जिंदगी को स्वर्ग बनाने के लिए परिवार जरूरी है : साध्वी संयमलता

'मेरा परिवार-मेरा जीवन' विषय कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ की साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में रविवार को 'मेरा परिवार-मेरा जीवन' विशेष कार्यशाला का आयोजन कोरमंगला स्थित अभयराज कोठारी के निवास स्थान पर किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि हर व्यक्ति अपने जीवन में खुशी, शांति,स्वास्थ्य की कामना करता है। परिवार वह उर्वर भूमि है जहां यह सब कुछ मिलता है। परिवार में सभ्यता, संस्कृति, सहयोग और आध्यात्म को अंकुरित होने का मुक्त अवसर है, स्नेह के धागों से बंधा एक

अनुपम अवसर रिश्ता है। आज के टीवी ,मोबाइल, इंटरनेट के युग में युवा पीढ़ी के भीतर प्रेम, विनम्रता, विश्वास को जगा सकता है। जिंदगी को स्वर्ग बनाने के लिए परिवार जरूरी है। ङ्ग साध्वीश्री मार्दवश्रीजी ने कहा कि विश्व की समस्त परम्पराओं में भारतीय परम्परा एक गौरवशाली परम्परा रही है, जिसका संवाहक है परिवार। परिवार प्रेम से सजता है। परिवार एक उपवन है जिसमें प्रेम, करूणा, कोमलता ओर सरलता के फूल खिलते हैं। परिवार ही है जिसमें संस्कारों के बीज पौधे का रूप लेते हैं। व्यक्ति निश्चिंतता से जीवन जीता है, अतः हम परिवार के साथ रहे और जीवन को सही सार्थकता दे। साध्वीश्री मनीषाप्रभाजी, रौनकप्रभाजी ने श्रद्धामय अभिव्यक्ति दी। अभयराज कोठारी ने सभी का स्वागत किया तथा साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इस मौके पर मारवाड़ काँठा समाज के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा, महासभा के नवनीत मुथा, तुलसी साधना शिखर राजसमन्द के अध्यक्ष सुरेश दक, टीपीएफ के प्रधान न्यासी माणक बलदोटा, विशाल गिरिया ने अपने विचार व्यक्त किए। ऋषि कोठारी ने धन्यवाद दिया। कार्यशाला का संचालन साध्वी मार्दवश्रीजी ने किया।

अलसूर में मूकप्राणियों के लिए 110 जलपात्र वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय 'वाटर फॉर वॉयसलेस' संस्था के सहयोग से जैन युवक संघ अलसूर ने मूक पशु पक्षियों के लिए जल पात्र वितरण किए।

महावीर भवन अलसूर में जल पात्र वितरण आयोजन में करीब 110 जनों ने जानकारी प्राप्त कर अपने घरों के लिए पात्र लेकर गए। संस्था के नंदू कोठारी ने बताया कि वर्ष 2013 में तुमकुर से प्रारंभ इस अभियान से जुड़कर अभी तक करीब 1 लाख से ज्यादा परिवारों ने यह पात्र अपने घरों में योग्य स्थान पर रख कर पशु पक्षियों के लिए पीने के पानी की निरंतर व्यवस्था की है। अलसूर जैन संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि भयंकर और बढ़ती गर्मी में मूक पशु पक्षियों के लिए जल सेवा अति आवश्यक और अनुकरणीय सेवा है। युवक अध्यक्ष लोकेश तातेड़, मंत्री संजय सुराणा ने जल पात्र वितरण सेवा में सहयोग दिया। इस अवसर पर एनएससी धार्मिक स्कूल के बच्चे भी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जलपात्र वितरित

बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में रविवार को जैन युवक मंडल के सदस्यों ने स्थानीय 'वाटर फॉर वॉयसलेस' संस्था के सहयोग से मूक पशु पक्षियों के लिए जल पात्र वितरित किए। इस अवसर पर हनुमंतनगर संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, सचिव सुरेश कुमार धोका सहित जैन गुरुकुल हनुमंतनगर के बालक बालिकाओं को मूक प्राणियों की सेवा करने और गर्मी के मौसम को देखते हुए उन जीवों को अपनी प्यास बुझाने के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराने जलपात्र के महत्व को जाना और उपयुक्त स्थान पर जलपात्र रखने की प्रेरणा ली।

जीतो महिलाओं ने आयोजित किया साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम 'सावधान'

डिजिटल जागरूकता और सावधानी ही इन खतरों से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है।इस अवसर पर साइबर सुरक्षा प्रशिक्षक अवधि चौहान ने बताया कि आम लोग रोजमर्रा की जिंदगी में होने वाले साइबर फ्रॉड का शिकार बन जाते हैं और उनसे कैसे बचा जा सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ की लेडीज़ विंग द्वारा आदर्श कॉलेज ऑडिटोरियम में 'सावधान' नामक साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 160 महिलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के प्रति लोगों, विशेषकर महिलाओं को जागरूक करना और उन्हें डिजिटल दुनिया में सतर्क रहने के लिए प्रेरित करना था। चेयरपर्सन बबिता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आज तकनीक ने हमारे जीवन को बहुत सुविधाजनक बना दिया है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराधों के नए-नए खतरे भी सामने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि डिजिटल जागरूकता और सावधानी ही इन खतरों से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है।इस अवसर पर साइबर सुरक्षा प्रशिक्षक अवधि चौहान ने बताया कि आम लोग रोजमर्रा की जिंदगी में होने वाले साइबर फ्रॉड का शिकार बन जाते हैं और उनसे कैसे बचा जा सकता है। कार्यक्रम में छह छोटे-छोटे नाटकों की श्रृंखला से साइबर अपराधों के विभिन्न रूपों को प्रस्तुत किया गया। नाटक में सोशल मीडिया ट्रोलिंग, ओटीपी फ्रॉड, डिजिटल फोटो मॉर्फिंग और ब्लैकमेलिंग, डिजिटल अरेस्ट, असली और नकली वेबसाइट लिंक आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। चौहान ने बताया कि साइबर सुरक्षा के लिए ओटीपी, पासवर्ड, पिन, सीवीवी या आधार से जुड़ी जानकारी कभी किसी के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। किसी भी ऑफर पर विश्वास करने से पहले उसकी सच्चाई जांचना जरूरी है और स्टॉप, वेरिफाई और प्रोसीड के सिद्धांत को अपनाना चाहिए। साथ ही मोबाइल और ऐप्स में स्क्रीन लॉक, ऐप लॉक, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, नियमित अपडेट, ऐप परमिशन की जांच और ट्रांजैक्शन अलर्ट जैसे सुरक्षा उपाय अपनाने चाहिए। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को यह भी जानकारी दी गई कि यदि कोई साइबर फ्रॉड हो जाए तो तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें।

इस कार्यक्रम में प्रस्तुत किए गए नाटकों में डिंपल सियाल, जिनू शाह, निशा कोठारी और वनीता बचावत ने अपने प्रभावशाली अभिनय से विभिन्न साइबर फ्रॉड की घटनाओं को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने किया। इस अवसर पर लेडीज उपचेयरपर्सन लता बोहरा, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, सहमंत्री साक्षी नाहर और चंद्रा जैन तथा संगीता सियाल, अस्मिता चौहान और रेखा जैन भी उपस्थित थी।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वासुपूज्य स्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में वासुपूज्यस्वामी जैन सेवा मंडल के सदस्यों द्वारा अक्कीपेट मंदिर के सामने रविवार को हजारों लोगों को अन्नदान किया गया। मंडल के मंत्री पदमराज मुथा ने लाभार्थी शांतिदेवी मुल्तानमल सुराणा परिवार को धन्यवाद दिया।

जीवन प्रकाश योजना की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष ने गुरु सत्यज्वाला का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरटी नगर स्थित मंजुनाथा लेआउट में संजीवनी ज्वाला लब्धि मंदिर में शनिवार को ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की जीवन प्रकाश योजना की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष रतनीबाई मेहता ने दर्शन कर विधिवत पूजा की तथा ज्योत प्रज्वलित की। श्रीमती मेहता ने गुरु सत्यज्वालाजी का सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंदिर परिसर में ज्वालामालिनी मैया की नयनरम्य प्रतिमा के दर्शन कर अन्य भक्तों ने भी श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना की। इस मौके पर जीवन प्रकाश योजना की राष्ट्रीय महिला मंत्री बबीता श्रीश्रीमाल, संजीवनी ज्वाला लब्धि मंडल की अध्यक्ष डॉ. नीतू राठौड़, मंजू बांठिया, मंजु जोशी, महेन्द्र धारीवाल, महावीर जैन, विनीत श्रीश्रीमाल सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे। मंदिर में पूरे समय भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने गुरुदेव से आशीर्वाद प्राप्त कर अपने जीवन में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

स्वच्छता अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली-धारवाड़ सेंट्रल विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा टीम और वार्ड नं. 44 के स्वच्छता आंदोलन परिवार टीम के संयुक्त सहयोग से केश्वापुर के हेमंतनगर स्थित गणपति मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। स्वच्छता कार्य के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षारोपण भी किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक महेश तेंगिनकाई ने स्वच्छता कार्य कर किया। इस अवसर पर पालिका सदस्य उमा मुकुंद, वी. मुकुंद, सुनील गुमास्ते, वाईबी पाटिल, भाजपा सेंट्रल क्षेत्र के प्रधान सचिव रामनगौड़ा और शेट्टनगौड़ा, भाजपा सेंट्रल क्षेत्र के सचिव विनोदकुमार पटवा, वार्ड अध्यक्ष निखिल वांगी, युवा मोर्चा अध्यक्ष मुत्तु हेब्बल्ली आदि स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

बिहार स्थापना दिवस एवं होली स्नेह मिलन के संदर्भ में बैठक आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद द्वारा इस वर्ष भी बिहार स्थापना दिवस एवं होली स्नेह मिलन आयोजित किया जाएगा जिसके लिए शनिवार को एक बैठक का आयोजन बिहार भवन में हुआ। बैठक की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष एसके उपाध्याय ने की। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष बिहार स्थापना दिवस एवं होली स्नेह मिलन 22 मार्च को आरटी नगर स्थित एक होटल में मनाया जाएगा एवं परिषद के वरिष्ठ सदस्यों एवं भूतपूर्व अध्यक्षों को सम्मानित किया जाएगा।

बैठक में परिषद के सचिव पंडित राजगुरु, राम लखन सिंह, एसके उपाध्याय, उदय कुमार, मिंटू दुबे, राजा सिंह, रवि कुमार, राहुल कुमार, दीपेश कुमार, संजय सिंह, डेजी शर्मा, अर्पणा शर्मा, पुनपुन देवी आदि सदस्य उपस्थित थे।

श्रीलंका में ईंधन संकट से निपटने क्यूआर कोड से वितरण शुरू, कोटा लागू

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण संभावित ईंधन संकट को देखते हुए क्यूआर कोड के माध्यम से ईंधन कोटा प्रणाली लागू कर दी है। ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, निजी कारों को प्रति सप्ताह 15 लीटर और बसों को 60 लीटर ईंधन की अनुमति दी गई है।मंत्रालय ने कहा कि क्यूआर कोड के माध्यम से ईंधन राशन प्रणाली इसलिए लागू की गई है क्योंकि पर्याप्त ईंधन उपलब्ध होने के बावजूद लोग भंडारण कर रहे थे।

श्रीलंका सरकार ने इस सप्ताह यह भी घोषणा की थी कि वह भारत और रूस से ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने की उम्मीद कर रही है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**